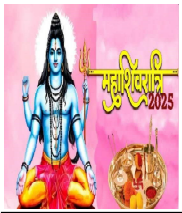

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 213 गुरूवार 27 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

आमरण अनशन पर बैठे भामुमो जिलाध्यक्ष की तबियत बिगड़ी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौर विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत पतिला के बुजुर्ग की पेंशन रोके जाने के विरोध में आमरण अनशन पर बैठे भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आरके आरतियन की तबियत दूसरे दिन बिगड़ गई। आनन फानन में एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। आरके आरतियन मंगलवार से विकास भवन परिसर में आमरण अनशन कर रहे थे।

आरोप है कि ग्राम सचिव ने एक बुजुर्ग को कागजों में मृत दिखाकर उनकी पेंशन रोक दी है। इस मामले में शिकायत की, तब से ग्राम सचिव उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं। उन्होंने कई बार उच्च अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन किसी ने कोई कार्यवाही नही की। आरतियन लगातार उपरोक्त मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग कर रहे थे। जिला पंचायत राज अधिकारी ने आरतियन को समझाते हुये मामले में कार्यवाही के लिये तीन दिन का वक्त मांगा था, किन्तु आरतियन अपनी मांग पर अड़े रहे। आज अचानक तबयित खराब होने पर अधिकारियों के हाथ पांव फूल गये। हालांकि अस्पताल में इलाज के दौरान भी आरतियन इस बात पर अड़े रहे कि ठीक होने के बाद फिर अनशन करेंगे और जब तक दोषियों के खिलाफ कार्यवाही नही होगी उनका अनशन जारी रहेगा।

पत्नी समेत तीन पर दर्ज कराया मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भूमि विवाद को लेकर मारपीट की घटना में पुलिस ने केस दर्ज किया है। कोतवाली के रैपुरा जंगल निवासी सनी चौधरी ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी प्रिया, सास उषा चौधरी व चचेरे साले गोलू ने भूमि विवाद को लेकर उन्हें अपशब्द कहते हुए मारापीटा। जानमाल की धमकी भी दी। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

कोर्ट के आदेश पर मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोर्ट के आदेश पर रुधौली पुलिस ने केस दर्ज किया है। नकहा निवासी लतीफ मोहम्मद का आरोप है कि उनके गांव में स्थित गाटा, जो आबादी के रूप में खतौनी में दर्ज है। इस पर विपक्षी प्रभुदयाल ने रुपया लेकर कुछ लोगों को जबरन कब्जा देकर दीवार आदि खड़ा करा रहे थे इसकी शिकायत 23 नवंबर को एसडीएम रुधौली से की। विपक्षी को जब इसकी जानकारी हुई तो तीन लोगों के साथ तहसील रुधौली में आकर अपशब्द कहते हुए मारापीटा व धमकाया। पुलिस ने प्रभुदयाल व तीन अन्य अज्ञात के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रेलर की ठोकर से ऑटो सवार घायल

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी–टांडा मार्ग पर नगर बाजार में ट्रेलर की चपेट में आकर ऑटो रिक्शा सवार दो लोग घायल हो गए। दोनों घायलों को परिजन जिला अस्पताल ले गए। नगर थानांतर्गत नगर कस्बा निवासी मोनू निवासी बरदहिया और उनके रिश्तेदार बंटी निवासी जलेबीगंज ऑटो रिक्शा से कलवारी की तरफ से नगर बाजार आ रहे थे। बताया जा रहा है कि नगर बाजार में रोड क्रास करते समय कलवारी की तरफ से आ रही गिट्टी लदी ट्रेलर ने ठोकर मार दी। टक्कर के बाद ऑटो डिवाइडर पर चढ़कर रूक गया। हादसे में ऑटो सवार दोनों लोग घायल हो गए।

महाकुंभ 2025 संपन्नः करीब 65 करोड़ लोगों ने किया स्नान

लखनऊ (आभा)। महाकुम्भ पर महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पूरे आयोजन को महासलामी दी है। बुधवार दोपहर वायुसेना के विमानों की तेज गर्जना सुन श्रद्धालुओं ने आसमान की ओर देख गर्व और उत्साह से तालियां बजानी शुरु कर दी। इस दौरान लोग जय श्री राम, हर हर गंगे, हर हर महादेव के साथ मोदी–योगी के भी जयकारे लगाने लगे। इसी के साथ वायुसेना के एयर शो के फोटो और वीडियो बनाकर श्रद्धालु सोशल मीडिया पर शेयर करने लगे। वायुसेना के एक अधिकारी के अनुसार महाकुम्भ में आए श्रद्धालुओं का अंतिम स्नान पर्व पर संगम क्षेत्र के ऊपर भव्य एयर शो से अभिवादन किया गया। इस पावन अवसर पर जहां गंगा तट पर डेढ़ करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु डुबकी लगा रहे थे, वहीं आकाश में सुखोई, एएन 32 और चेतक हेलीकॉप्टर आसमान से श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ा रहे थे। इस ऐतिहासिक पल ने श्रद्धालुओं को रोमांचित कर दिया। महाकुम्भ के समापन अवसर पर भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलटों ने हवा में अद्भुत कलाबाजियां दिखाईं। विमानों की तेज गर्जना सुन श्रद्धालुओं ने आसमान की ओर देखा, जहां सुखोई और एएन 32 और चेतक का शानदार प्रदर्शन चल रहा था। इस रोमांचक नजारे को श्रद्धालुओं ने अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया और सोशल मीडिया पर साझा किया। लोगों ने इसे महाकुम्भ का यादगार पल बताया। जिस वक्त महाकुम्भ में संगम के ऊपर एयर शो चल रहा था, उसे देख श्रद्धालु गर्व और उत्साह से तालियां बजाने लगे।

यज्ञ, दान, तप की प्रेरणा देता है शिवरात्री का पर्व –ओम प्रकाश आर्य'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिवरात्रि पर्व जागरण का पर्व है। संभवतः इस पर्व के नाम में रात्रि होने का यही अभिप्राय है कि गहन अंधकार में 'जागने' का दायित्त्व और भी बढ़ जाता है। वैसे तो रात्रि सोने के लिए है और दिन जागरण के लिए। प्रत्येक रात्रि के अन्त में सूर्योदय होता है, लेकिन अज्ञान की रात्रि का अन्त तो जागरण से ही संभव है। जो जब जागता है, उसके लिए तभी सुबह है। जो जागता है उसके लिए हर सुबह एक वरदान है, जो जागता नहीं है, ज्ञान के प्रकाश में भी आँख बंद करके ज्ञान से वंचित रहता है, उसके लिए प्रत्येक वरदान एक अभिशाप है।महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर आदियोगी भगवान शिव की पूजा अर्चना के साथ यज्ञ, दान, तप और स्वाध्याय की प्राचीन परिपाटी रही है। वही क्रम आज तक चल रहा है। आर्य समाज नई बाजार बस्ती बस्ती में महाशिवरात्रि का पर्व ऋषिबोध उत्सव के रूप में मनाया गया जिसमें आर्य समाज और आर्य वीर दल के पदाधिकारियों के साथ बालक बालिकाओं ने भी हिस्सा लिया। बच्चों को महाशिवरात्रि पर्व का महत्व बताते हुए ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने बताया कि यह पर्व हमें यज्ञ, दान, तप और स्वाध्याय की प्रेरणा देता है। अपने भीतर शिवत्व को धारण करने और शिवसंकल्प वाला बनने के लिए हमें अपने वैदिक ग्रंथों स्वाध्याय करना और तप करना होता है। 14 वर्ष के मूलशंकर ने जब शिवलिंग पर चूहे को चढ़कर मल मूत्र करते हुए चढ़ाए गए पदार्थों को खाते देखा तो उन्हें महसूस हुआ कि जिस देवादिदेव और परमशक्तिमान शिव के बारे में सुना था वह यह नहीं हो सकता यह जानकर परंपरागत व्रत तोड़कर और समाज में फैले अज्ञान अंधविश्वास को मिटाने का महाव्रत धारण कर सच्चे शिव की खोज में निकल पड़े और कठिन तप और स्वाध्याय से सच्चे शिव के स्वरूप को पहचाना और समाज के लिए वेदों का भाष्य कर जनसुलभ बनाया।

डीएम से जालसाज की शिकायत

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । एक युवक की चौंकाने वाली करतूत सामने आई है, जिसने पूरे प्रशासन को हिला कर रख दिया है। एनजीओ की आड़ में खुद को असिस्टेंट जांच अधिकारी बताने वाले इस शख्स का भंडाफोड़ तब हुआ, जब इसका पुलिस अधिकारियों की तरह प्रोसीडिंग अपनाया गया लेटर पैड सामने आया। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि एक लेटर में पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट भेजी गई है, जिसमें लिखा है कि 02 अप्रैल 2024 को दर्ज एक शिकायत की जांच असिस्टेंट जांच अधिकारी वीर प्रताप यादव द्वारा की गई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सर्विलांस टीम ने कॉल चैट डाटा निकाला और एसओजी टीम के साथ मिलकर एक संदिग्ध को उठाया गया, लेकिन 4 अप्रैल 2024 को सबूतों के अभाव में उसे छोड़ दिया गया। आखिर किसे दो दिन तक रखा हिरासत में? इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर वह संदिग्ध व्यक्ति कौन था, जिसे दो दिनों तक हिरासत में रखा गया? इस घटना से पुलिस प्रशासन भी सकते में आ गया है। फर्जी लेटर और पुलिस के साथ तस्वीरें वायरल फर्जीवाड़े का खुलासा होते ही इस शख्स के कई और लेटर वायरल हो गए, जिनकी जांच जारी है। इतना ही नहीं, इस युवक के पुलिसकर्मियों के साथ तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहे हैं, जिससे मामले ने और तूल पकड़ लिया है।

शिवरात्रि मेले में दो गुटों में जमकर हुई मारपीट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित मेले में दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के हरदिया चौराहे के पास स्थित शिव मंदिर के निकट हुई। मारपीट की घटना के दौरान मेले में मौजूद श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। दोनों गुटों के बीच काफी देर तक लात–घूंसे चलते रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो के आधार पर दोषियों की पहचान की जा रही है। स्थानीय प्रशासन ने मेले में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया है, ताकि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

तिलकपुर मेले में सैकड़ों लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पटेल एस.एम.एच. हॉस्पिटल गोटवा एण्ड पैरामेडिकल कालेज की ओर से तिलकपुर मेले में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर का प्रख्यात चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के उपरान्त अपने सम्बोधन में डा. वर्मा ने कहा कि गोटवा अस्पताल की ओर से कई दशक से मेले में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। हजारों लोग इससे लाभान्वित होते हैं और दर्जन भर चिकित्सक अपनी सेवायें देते हैं। 980 लोगों ने निःशुल्क जांच का लाभ उठाया और परामर्श के बाद उन्हे जरूरी दवाइयां दी गईं। उन्होने बताया कि शिविर में ब्लडप्रेशर, सुगर आदि की जांच की गई। अधिकांश लोगों के भीतर कब्ज, गैस, सुगर और ब्लडप्रेशर से जुड़ी कमियां पाई गईं। डा. वर्मा ने कहा चिकित्सा क्षेत्र की बुनियाद सेवा भावना पर टिकी है। सेवा भावना न हो तो चिकित्सक की जानकारी और अस्पताल के आधुनिक उपकरण किसी काम के नहीं। डा. आरएन चौधरी, डा. आलोक रंजन, डा. चन्दा, डा. एसके कुशवाहा, डा. इरफाना बानो, डा. लालजी यादव, डा. रितेश, डा. मनीष आदि ने सहयोग दिया।

विधायक अजय सिंह ने सदन में किया बस्ती का नाम वशिष्ठ नगर करने सहित विभिन्न मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह ने सदन में बस्ती का नाम वशिष्ठ नगर करने, बस्ती में हिंदी विश्वविद्यालय खोलने, संस्कृत विश्वविद्यालय खोलने और हरैया में दो तहसील करने की मांग मंगलवार को सदन में उठाई। राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए बजट की सराहना करते हुए विधायक ने सदन में कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने वाला है। कहा कि बजट में सभी विभागों शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, लोक निर्माण आदि का ख्याल रखा गया है। बस्ती जनपद का नाम वशिष्ठ नगर रखने की मांग करते हुए कहा कि भगवान राम से लेकर विभिन्न महापुरुषों की पहचान जिस बस्ती से है वह बस्ती स्वयं पहचान को मोहताज है इसलिए बस्ती जिले का नाम वशिष्ठ नगर रखा जाए। महापुरुषों के नाम पर विभिन्न जनपदों का नाम बदला गया है। इसी तर्ज पर बस्ती का नाम भी वशिष्ठ नगर रखा जाए जिससे 155 साल पुराने जिले को पहचान मिल सके। विधायक ने राज्य सरकार से मांग किया कि पूरी दुनिया में प्रसिद्ध आचार्य रामचंद्र शुक्ल के नाम पर बस्ती में हिंदी विश्वविद्यालय खोला जाए। भगवान राम के जन्म के लिए यज्ञ कराने वाले श्रृंगीऋषि के नाम पर संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग किया। विधायक ने सदन में कहा कि हरैया हिंदुस्तान ही नहीं एशिया की सबसे बड़ी तहसील है जिसमें 1529 राजस्व गांव जिसकी व्यवस्था चलाना बड़ा जटिल है इसलिए सरकार से मांग किया कि हरैया में दो तहसील बना दी जाए जिससे व्यवस्था सकुशल चल सके। महाकुंभ के बारे में बोलते हुए कहा कि 144 साल बाद बने इस महायोग में पूरा देश त्रिवेणी ने स्नान के लिए उमड़ पड़ा है यह देशवासियों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति अटूट विश्वास है। जहां हर वर्ग के लोग बड़ी संख्या में एक साथ महाकुंभ में स्नान कर रहे हैं वहीं विपक्ष अनर्गल प्रलाप कर रहा है।

एसटीएफ ने ढेर किया लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शार्प शूटर

मेरठा (आभा)। स्पेशल टास्क फोर्स मेरठ और नोएडा यूनिट ने बुधवार सुबह मेरठ के मुंडाली थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में एक लाख के इनामी बदमाश लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शार्प शूटर जीतू उर्फ जितेंद्र को मार गिराया। वह हरियाणा के झज्जर जनपद के आसौंदा थाना क्षेत्र के गांव सिवान का रहने वाला था। एसटीएफ मेरठ के एसपी बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि यूपी एसटीएफ से बदमाशों के साथ थाना मुंडाली क्षेत्र में मुठभेड़ हुई। गोली लगने से एक बदमाश गंभीर रूप से घायल हुआ। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई। बदमाश की पहचान जीतू उर्फ जितेन्द्र निवासी आसौंदा सिवान थाना आसौंदा जिला झज्जर हरियाणा के रूप में हुई है। गाजियाबाद के थाना टीला मोड़ क्षेत्र में 2023 में हुई हत्या के मामले में जीतू वांछित था, उस पर एक लाख रुपये ईनाम था।

जितेंद्र ने 2016 में झज्जर में एक डबल मर्डर किया था, जिसमें उसे आजीवन कारावास हो गया था। इसी मुकदमे में 2023 में पैरोल पर आया था। पैरोल पर ही वह फरार हो गया था।

जेल में रहने के दौरान ही वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग के संपर्क में आ गया और फरारी के बाद गैंग के सदस्यों के साथ काम करने लगा। नोएडा एसटीएफ यूनिट के एएसपी राजकुमार मिश्रा ने बताया कि जीतू के आपराधिक रिकॉर्ड को खंगाला जा रहा है।

हर हर महादेव के जयकारों से गूजे शिवालय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महाशिव रात्रि पर्व पर मध्य रात्रि से ही शिवालयों पर जलाभिषेक शुरू हो गया। हर हर महादेव के उद्घोष के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को आस्था के जल से नहला कर पूजन अर्चन किया।

आधी रात के बाद पूजा–अर्चना के बाद भदेश्वरनाथ मंदिर का कपाट खोला गया। इसके बाद शिव भक्तों ने जलाभिषेक शुरू कर दिए। भोर होते–होते मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया। कतारबद्ध होकर श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए इंतजार करते रहे। बीच–बीच में ओम नमरू शिवाय, हर हर महादेव के गगनवेदी उद्घोष सुनाई दे रहे थे। मंदिरों में जब आस्था की भीड़ उमड़ी तो चहुंओर सिर्फ भक्ति की गूंज ही सुनाई दे रही थी। सर्वाधिक भीड़ भदेश्वनाथ धाम में दिखी। दुबौला स्थित के बाबा भारीनाथ, पुरानी बस्ती क्षेत्र के कड़र शिव मंदिर, देवरिया शिव मंदिर, तिलकपुर शिव मंदिर, बेहिलनाथ शिव मंदिर, बरवा ग्राम आदि शिवालयों में भोर से जलाभिषेक का दौर चलता रहा। जलाभिषेक के बाद श्रद्धालुओं ने अगरबत्ती, कपूर जलाकर पूजा–अर्चना की। श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ी तो शिवालयों को जाने वाले प्रमुख मार्ग पर ट्रैफिक व्यवस्था फेल हो गई। मार्ग पर घंटों लंबा जाम लगा रहा। श्रद्धालु परेशान नजर आए। ट्रैफिक व्यवस्था में लगे सिपाही भी जाम हटवाने में काफी परेशान नजर आए। बाइक और चार पहिया वाहनों के अलावा साइकिल सवार जाम में फंसे रहे। पैदल यात्रियों को भी दिक्कतें हुई। बच्चों ने मेले का आनन्द लिया। दूकानों पर रौनक रही। इसी कड़ी में महाशिवरात्रि पर्व पर शहर में शिव बरात निकाली गई। बरात में भूत–पिचास बराती बनकर नाचते–गाते हुए आगे बढ़ रहे थे। बरात में भगवान शिव व माता पार्वती की मनमोहक झांकी सजाई गई थी, जिसके देख श्रद्धालु प्रफुल्लित हुए। पुरानी बस्ती के दक्षिण दरवाजा से मंगल बाजार, पांडेय बाजार होते हुए हनुमानगढ़ी अन्नपूर्णा रसोई स्टेशन रोड तक शिव बरात निकाली गई। घोड़े और बैंडबाजों के साथ निकली शिव बरात में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। बारात में भूत–प्रेत के वेष में लोगों के बीच भगवान शिव शंकर की सुंदर सी झांकी आकर्षण का केंद्र रही। बरात जहां से भी गुजरी, भक्तों ने हर–हर बम–बम का उदघोष किया। इस दौरान शिवजी ब्याहने चले पालकी सजा के... जैसे गीत पर भक्तों ने जमकर डांस भी किया। सैकड़ों शिव भक्त सम्मिलित हुए। शिव बरात में युवक–युवतियां अलग–अलग वेशभूषा में दिखे। भूत पिचास जटाधारी जैसे विभिन्न रूपों में सजकर भक्त बरात में सम्मलित हुए। बारात के दौरान बाबा भोलेनाथ एवं माता पार्वती के काल्पनिक स्वरूप को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मातृशक्ति सेवा मंडल मंगल बाजार पुरानी बस्ती के अध्यक्ष राघवेंद्र मिश्र पट्टू ने बताया कि गाजे–बाजे के साथ भगवान भोलेनाथ की बरात निकली। नगर भ्रमण के बाद मंदिर परिसर में माता पार्वती और भगवान भोले का विवाह संपन्न कराया गया। बताया कि हर साल की तरह इस बार भी शिव बरात में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

धूमधाम से मना राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का स्थापना दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उ०प्र० का 60 वां स्थापना दिवस कलेक्ट्रेट कैम्पस स्थित कर्मचारी संघ भवन पर घूम–धाम से मनाया गया। कार्यक्रम में सेवा निवृत्त वरिष्ठ कर्मचारी नेता राधेश्याम त्रिपाठी, रामस्वारथ चौधरी, अजीत कुमार सिंह, लालवन्द्र वर्मा, परशुराम एवं रघुवंश मणि यादव को माला पहना कर अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

स्थापना दिवस में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कर्मचारी पुरोधा स्व० पी०एन० शुक्ल एवं स्व० बी०एन० सिंह को याद कर उन्हे श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष रामअधार पाल एवं जिला मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि आज जो कुछ कर्मचारी समाज को प्राप्त हो रहा है वह पूराने कर्मचारी पुरोधाओं की देन है। केन्द्र के बराबर वेतन, महंगाई भत्ता, नकदीकरण, बोनस, एल०टी०सी०, मृतक आश्रित नौकरी सहित तमाम अन्य मांगों को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रान्तीय नेतृत्व ने दिलाया। वर्तमान सरकारे पूर्व से मिलने वाले तमाम सुविधाओं को समाप्त कर कर्मचारियों का उत्पीड़न कर रही है। जिसके लिए सभी को एकजूट होकर अपने मांगों को लिए निर्णायक आन्दोलन छेड़ना होगा।

विचार गोष्ठी को कलेक्ट्रेट कॉरी संघ के अध्यक्ष अशोक मिश्रा, कोषागार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अखिलेश पाठक, डिप्लोमा इंजीनियर संघ के अध्यक्ष अभिशेक सिंह, उ०प्र० पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अजय आर्या, लघु सिंचाई बोरिंग टेक्निशियन के अध्यक्ष सुबाष पाण्डेय, आई०टी०आई० कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हरिशंकर ने कहा कि राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के बदौलत कर्मचारी तमाम सुविधाओं को प्राप्त कर रहा है। कर्मचारी एकता के अभाव में सरकार सुविधाओं में कटौती कर उत्पीड़न कर रही है। सभी को एकजुटता दिखाते हुए संघटन को मजबूत करना होगा। वही कर्मचारी पुरोधाओं के प्रति सच्ची श्रद्धाजंली होगी। गोष्ठी में ट्यूवेल टेक्निकल एशोसियन के मंत्री संतोष राव, राजस्व संग्रह अमीन संघ के पूर्व अध्यक्ष उमेश वर्मा, आलोक श्रीवास्तव, चकबन्दी लेखपाल संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश यादव, राजेश कुमार, श्यामकरन यादव, संतोष चौरसिया, विनोद कुशवाहा, राधेश्याम श्रीवास्तव, पेन्शनर एशोसिएशन के मंत्री बद्री प्रसाद चौधरी, नन्द मोहन सिंह, राजेन्द्र चौधरी, अविनाश कुमार, चन्द्र प्रकाश, मुकेश मिश्रा सहित कई लोग शामिल रहें।

घोष पथ संचलन का हुआ आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने महाशिवरात्रि के अवसर पर अखिल भारतीय घोष दिवस मनाया। इस मौके पर सरस्वती विद्या मंदिर से भव्य घोष संचलन निकाला गया। संचलन उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के पास समाप्त हुआ। कार्यक्रम में करीब 100 घोष वादकों ने हिस्सा लिया। गोरक्ष प्रांत के शारीरिक शिक्षण प्रमुख तुलसीराम जी ने संघ के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 1925 में संघ की स्थापना व्यायाम और सामान्य चर्चाओं से हुई। 1927 में शाखाओं में घोष वादन शुरू हुआ। आज यह कई वाद्य यंत्रों के साथ एक संगठित संगीत साधना बन चुका है। अनुशासन से सशक्त बनता है राष्ट्र तुलसीराम जी ने कहा कि घोष वादन से अनुशासन, एकरूपता और उत्साह बढ़ता है। स्वयंसेवक श्सत्येन रक्ष्यते धर्मः की भावना से अपने शरीर, मन और बुद्धि को अनुशासित करते हैं। उन्होंने बताया कि जब व्यक्ति, परिवार और समाज अनुशासित होता है, तो राष्ट्र स्वतः सशक्त बनता है। घोष वादन मनुष्य में ऊर्जा का संचार करता है। कार्यक्रम में जिला प्रचारक अपित जी, धर्मराज जी, नीरज जी, डॉ. दिनकर पर्वत जी समेत कई गणमान्य स्वयंसेवक मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 फरवरी 2025 गुरूवार

सम्पादकीय

सूचना विस्फोट के समय में

केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि धर्म और राजनीति में नफरती भाषणों के खिलाफ सख्त कानूनों की जरूरत है। हाईकोर्ट ने संसद और विधि आयोग से इस बारे में विचार करने को कहा है। नए आई.टी. इंटरमीडियरी नियम और 3 नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद सरकार ने पुख्ता कानूनी व्यवस्था का दावा किया था लेकिन अब रणवीर इलाहाबादिया मामले के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश की आड़ में केंद्र सरकार नए कानून बनाने की बात करने लगी है।

दिलचस्प बात यह है कि इलाहाबादिया को जमानत देने वाले लिखित आदेश में सुप्रीमकोर्ट ने नए कानून के बारे में केंद्र सरकार से कोई जवाब नहीं मांगा है। इस विवाद से यह भी साफ है कि सोशल मीडिया की अभिव्यक्ति के मामले में कई राज्यों में एफ.आई.आर. दर्ज करने का बढ़ता चलन गलत है। इससे पुलिस और अदालतों पर बोझ बढ़ता है। रणवीर की कॉमेडी को उनके वकील के साथ जजों ने भी अश्लील और आपत्तिजनक माना। फूहड़ता और अश्लीलता के कारोबार से करोड़ों कमाने वालों को अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ में वी.आई.पी. जस्टिस मिलने से आम जनता का कानून के शासन पर भरोसा कमजोर होता है।

अमरीकी टैक कम्पनियों पर टैक्स रू अमरीका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि भारत, कनाडा, फ्रांस और इंगलैंड जैसे देश गूगल और मेटा जैसी टैक कम्पनियों से भारी टैक्स वसूलते हैं। ट्रम्प ने धमकी देते हुए कहा है कि भारत जैसे देशों पर जवाबी डिजिटल टैक्स लगेगा। इस मामले में दिलचस्प बात यह है कि अमरीकी टैक कम्पनियों को भारत के कानून और टैक्स के दायरे में लाने के लिए संघ के विचारक के.एन. गोविंदाचार्य की याचिका में दिल्ली हाईकोर्ट ने अनेक आदेश पारित किए थे लेकिन पिछले 12 सालों से उन पर अमल नहीं हुआ। आई.टी. इंटरमीडियरी नियमों के अनुसार टैक कम्पनियों ने भारत में शिकायत निवारण का सही तंत्र भी नहीं बनाया जिसकी वजह से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश से सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली अमरीकी टैक कम्पनियां भारत के कानून को ठेंगे पर रखती हैं। आयकर कानून के अनुसार भारत में उनका स्थायी ऑफिस नहीं होने की वजह से अनेक तरह से टैक्स चोरी हो रही है। केबल टी.वी., कॉल सैंटर के रजिस्ट्रेशन के लिए भारत में कानून हैं तो फिर यू–ट्यूब जैसी अमरीकी कम्पनियों को भारत के कानून और टैक्स के दायरे में क्यों नहीं लाना चाहिए?

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में हुए हादसे के वीडियो को हटाने के लिए रेलवे मंत्रालय ने सोशल मीडिया कम्पनियों को निर्देश जारी किए हैं, जिन्हें कानूनी तौर पर गलत बताया जा रहा है। आई.टी. एक्ट की धारा–69–बी के तहत आपत्तिजनक कंटैंट और एप्स को ब्लॉक करने के लिए केंद्र सरकार के आई.टी. मंत्रालय को ही अधिकार हासिल है। इसलिए इलाहाबादिया के यू–ट्यूब से वीडियो हटाने के मामले में पुलिस मानवाधिकार आयोग और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को सिर्फ सिफारिश करने का अधिकार है लेकिन आई.टी. मंत्रालय के तहत कोई प्रभावी नियामक नहीं होने की वजह से समस्या और विवाद बढ़ रहे हैं।

रणवीर और उनके वकील के साथ जजों ने भी कमैंट को गलत, अभद्र और अश्लील माना है, तो अब कुतर्कों के आधार पर उसका समर्थन कैसे किया जा सकता है? कुछ लोग अमीश देवगन और दूसरे पत्रकारों के मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत के आधार पर इलाहाबादिया की जमानत को तर्कसंगत बता रहे हैं लेकिन पत्रकारों और मीडिया की अभिव्यक्ति की आजादी को सुरक्षित रखना लोकतंत्र की बड़ी जरूरत है। संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार साइबर और इंटरनैट का विषय केंद्र सरकार के जबकि पुलिस राज्यों के अधीन है लेकिन एप्स, सोशल मीडिया और ओ.टी.टी. के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस के पास कोई अधिकार नहीं है।

रणवीर इलाहाबादिया मामले में अमरीकी कम्पनी यू–ट्यूब जैसे प्लेटफार्म की भूमिका को दरकिनार करके अश्लीलता के कारोबार पर रोक लगाना मुश्किल है इंफ्लुएंसर्स के मर्ज से वित्तीय जगत भी परेशान है लेकिन रिजर्व बैंक, सेबी और टैलीकॉम उद्योग के अनेक आग्रह के बावजूद ओ.टी.टी. के नियमन के लिए भारत में अभी तक कानून नहीं बना। गौरतलब है कि साल–2015 में सुप्रीम कोर्ट ने आई.टी. एक्ट की धारा–66–ए को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। उसके बाद 10 सालों में सरकार नया कानूनी प्रावधान नहीं बना पाई है इसलिए अनेक राज्यों में पुलिस अधिकारी आई.टी. एक्ट की धारा–67 को गोल–मोल तरीके से एफ.आई.आर. में शामिल करके कानून का दुरुपयोग करते हैं।

अश्लीलता, पोर्नोग्राफी और गैर–कानूनी कंटैंट को रोकने के लिए प्रिंट और टी.वी. वाले नियम डिजिटल मीडिया में भी लागू होते हैं। केंद्र सरकार ने ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म्स के लिए जो एडवाइजरी जारी की है वह कानूनी तौर पर बाध्यकारी नहीं है। इस मर्ज पर रोक लगाने के लिए डिजिटल इंडिया बिल की बात की जा रही है लेकिन उसका मसौदा सामने नहीं आया। संसदीय समिति ने कानून के मसौदे के बारे में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से राय मांगी है। मनोरंजन के नाम पर फूहड़ता और नग्नता को रोकने के लिए कानून और प्रभावी रैगुलेटर की जरूरत है। उसकी बजाय प्रस्तावित ब्रॉडकासि्ंटग बिल की आड़ में यू–ट्यूबर्स और मीडिया की आजादी बाधित करने का प्रयास पूरी तरह से गलत है।

जनजातीय हितों पर केंद्रित हो नई वननीति

—प्रवीण गुगनानी—

वनग्राम, वनों से सटे राजस्व ग्राम, जनजातीय समाज, वनों के भीतर कृषि का अधिकार, जनजातीय समाज को वनों के सीमित उपयोग की अनुमति आदि–आदि विषय मप्र में एक बड़ा सामाजिक सरोकार का प्रश्न रहे हैं। यह प्रश्न अब गहरा रहा है। मप्र सरकार कंपनी, संस्था, व्यक्ति या स्वयंसेवी संस्था को बिगड़े जंगल अनुबंध पर साठ वर्ष हेतु देनें के प्रस्ताव पर विचाररत है। नई नीति में निजी क्षेत्र को, विभाग के अनुसार नए पौधे लगानें होंगे। दो वर्ष में पौधे नहीं उगे तो अनुबंध समाप्ति का अधिकार शासन के पास सुरक्षित रहेगा। इन वनों का कार्बन क्रेडिट, वन विभाग के माध्यम से विक्रय करेंगे। इस नीति के अनुसार एक हजार हेक्टेयर तक के जंगल को यदि कोई निजी कंपनी विकसित करना चाहेगी तो वनों की पुनर्स्थापना का भी प्रावधान है। अनुबंधित वनों से प्राप्त वनोपज का पाँचवा भाग वन समिति को और शेष चार भाग वन विकास निगम और निजी कंपनी को मिलेंगे। फल वनोपज का आधा भाग निजी कंपनी को प्राप्त होगा।

मप्र में पंचानवे हजार हेक्टेयर वन क्षेत्र है जिसमें से सैतीस लाख हेक्टेयर क्षेत्र बिगड़े वन हैं। इसे ही निजी क्षेत्र में सौंपने की तैयारी है। नई नीति के अन्तर्गत निजी निवेशकों का इन वनीय क्षेत्रों की, उपज, व कार्बन क्रेडिट पर प्रथम अधिकार होगा। नई नीति का नाम "सीएसआर एवं कंपनी एनवायरोनमेंट रिस्पांसिबिलिटी एवं अशासकीय निधियों के उपयोग से वनों की पुनर्स्थापना" है। इसके अंतर्गत मप्र में निजी निवेशक न्यूनतम दस हेक्टेयर वन का चयन कर सकेंगे।

नई वन नीति में कई विसंगतियाँ हैं, जिससे वनीय विविधता की हत्या हो जाएगी। जिस प्रकार से समर्थन मूल्य के कारण मप्र व अन्य प्रदेशों की कृषि विविधता समाप्त हो गई है, उसी प्रकार वन विविधता समाप्त हो जाएगी। जब वनीय विविधता समाप्त होगी तो सर्वप्रथम वनीय जैव विविधता, बड़ी तीव्रता से समाप्त होगी। वनवासियों हेतु हर वृक्ष का हर उत्सव व ऋतु में अलग अलग आस्था का सम्बंध होता है। हजारों–लाखों प्रकार के जीव–जंतुओं का भोजन, उनकी औषधियां, उनकी रहवासी आवश्यकताएँ सभी कुछ समाप्त हो जाएँगे। जीव–जंतु तो छोड़िए जनजातीय समाज और नगरीय समाज को मिलने वाली हजारों वनीय औषधियां, जड़ी–बूटियाँ, रसायन, मौसमी, उत्पाद सभी कुछ समाप्त हो जाएँगे। प्रकृति की अविरल धारा के समक्ष एक बड़ा अवरोध व परिवर्तन उपस्थित होगा जिससे कई प्रकार की असंगतियाँ–विसंगतियाँ देखने को मिलेंगी। अनुबंध पर जंगल लेने वाले व्यसायी केवल लाभ से सरोकार रखेंगे। निजी वन व्यवसायी और कम्पनियाँ आदिय राष्ट्रीय, पर्यावरणीय, सामाजिक, धार्मिक आदि विषयों के प्रति कोई सरोकार या संवेदनशीलता रखने से तो रहे। व्यावसायिक लाभ ही एकमेव लक्ष्य होगा, इससे वनोपज में असंतुलित वृद्धि तो हो सकती है किंतु पर्यावर्णीय हानि, जैव व वन विविधता की हानि व वनवासी समाज के साथ शासन व शेष समाज के सम्बंध बिगड़ सकते हैं। नई वन नीति की सम्पूर्ण समीक्षा की आवश्यकता है। या तो यह नीति रद्द हो या फिर इस नीति में वनीय, विविधता, जैव विविधता, जलीय सरंचनाओं, वनीय पशु–पक्षियों की आवश्यकताओं, वनवासी बंधुओं की आजीविका आदि विषय में सुरक्षा की गारंटी हो।

नई वन नीति में जिसे "बिगड़े वन" कहा जा रहा है, उसकी परिभाषा भी तय नहीं है। ग्राम सभा की अनुमति की शर्त भी बड़ी ही आसान व एक औपचारिकता मात्र है। केवल मूल्यवान लकड़ी प्रदान नहीं करने वाले वनों को बिगड़ा हुआ वन मान लेना एक बड़ी प्रदूषित, शोषक, स्वार्थी व एकपक्षीय नीति है। वनवासी बंधुओं की धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक आवश्यकताओं को एवं पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए वनीय विविधता बनी रहना परम आवश्यक है। इस नई वन नीति से हमारी आने वाली पीढ़ियाँ कई वनीय उत्पादों के केवल नाम ही सुन पाएगी। आज जिस प्रकार कृषि क्षेत्र में केवल दो चार प्रकार के अन्न का उत्पादन हो रहा है व शेष फसलों का उन्मूलन होता जा रहा है वही स्थिति वनों में भी देखने को मिलेगी। प्रत्येक ऐसे वृक्ष को जिससे आर्थिक लाभ नहीं होता है या कम लाभ होता है उसे कुल्हाड़ी की बलि चढ़ाकर, वहाँ व्यावसायिक लाभ की दृष्टि से मूल्यवान पेड़ लगा दिए जाएँगे। लाभमात्र के मूलमंत्र से पारिस्थितिकी संतुलन व इको सिस्टम समाप्त होगा। वनों में ये कंपनियां बेतहाशा इको टूरिज़्म को बढ़ावा देंगी, यह लाभप्रद तो अवश्य ही होगा किंतु इसके गंभीर साइड इफेक्टस भी हो सकते हैं। आशंका है कि, वनों को लेकर 'अंधाधुंध दोहन की' या केवल 'लाभ की नीति' से पर्यावरण असंतुलन उत्पन्न हो सकता है।

वर्ष 2020 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के समय भी इस प्रस्ताव को लाया गया था जो बाद में फाइलों में बंद हो गया था। फाइलों में बंद इस जिन्न को मप्र वन विभाग के नौकरशाहों ने पुनः बाहर निकाला है। यद्दपि यह मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार की संवेदनशीलता ही है कि सरकार ने अभी एकतरफा निर्णय नहीं लिया है, तथापि मुख्यमंत्री जी को जनजातियों के प्रति असंवेदनशील, वन नीति से सावधान रहना होगा। मान. मुख्यमंत्री जी के अध्यक्षता मे कुछ ही दिन पहले एक टास्क फोर्स की मीटिंग हुई थी, जिसमें वन अधिकार कानून के तहत ग्राम सभाओं को अपने परंपरागत वन क्षेत्र के पुनर्निर्माण, संवर्धन, संरक्षण एवं प्रबंधन के अधिकार देने का निर्णय हुआ था। संभवतः इसी को ध्यान में लेकर माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस वन नीति के प्रारुप को अभी सहमति नहीं दी होगी।मप्र शासन ने नई वननीति के संदर्भ में चबबपिज.उच.हवअ.पद पर जनता से सुझाव व आपत्तियाँ माँगी हैं। सभी पर्यावरणविदों को सुझाव देना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि शासकीय आय बढ़ाने के इस उपक्रम को वन शोषण का धतकर्म बना दिया जाए। वन विकास के नाम पर कहीं हमारें वन व्यवसाइयों व दलालों की भेंट न चढ़ जाएँ। मप्र की जनता से प्राप्त होने वाले सुझावों और आपत्तियों को देखते हुए नीति में वांछनीय परिवर्तन या संपूर्णतः अस्वीकृत भी किया जा सकता है। मप्र की भाजपा सरकार की ओर से यह एक शुभ संकेत है और एक अवसर भी। वस्तुतः स्टेट फारेस्ट रिपोर्ट 2023 में यह निष्कर्ष था कि मध्यप्रदेश, सन्त्यान्वे हजार वर्ग किमी वनक्षेत्र वाला देश का सबसे बड़ा राज्य है। इसमें यह तथ्य भी उभरकर आया था कि, 2021 की तुलना में, 2023 में, मप्र में 612 वर्ग किमी जंगल कम हो गए हैं।

मप्र में चालीस प्रतिशत से कम घनत्व वाले वनों को बंजर भूमि या ओपन फॉरेस्ट कहा गया है। इस वनभूमि को ही निजी क्षेत्रों में देना प्रस्तावित है। मप्र सरकार का लक्ष्य इस बंजर भूमि पर वनक्षेत्र बढ़ाना है। किंतु इस लक्ष्य के पीछे कहीं उद्योगपति इनका शोषण न करने लग जाएँ। इस हेतु शासकीय व सामाजिक विजिलेंस का एक बड़ा नेटवर्क निर्मित करना होगा। ग्राम समितियों को नई नीति में शासन की आँख, कान, नाक बनाकर सोशल विजिलेंस का एक नया उदाहरण समूचे देश के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रस्तावित ड्राफ्ट के पहले भाग में सीएसआर और सीईआर (कॉर्पोरेट एनवायरमेंट रिस्पांसबिलिटी) निधि से वन विकास का उल्लेख है। दूसरे भाग में निजी निवेश से ओपन फारेस्ट के विकास का लक्ष्य है। यह ड्राफ्ट रोजगार सृजन, राजस्व की सृजन आदि विषय में भी अस्पष्ट है।

एक सुझाव यह भी है कि नई वन नीति समूचे मप्र हेतु एक जैसी न बनें। इस नीति को क्षेत्रवार, भौगोलिक विशेषताओं, विशिष्टताओं, वनीय बंधुओं की आवश्यकतानुसार, वनीय बंधुओं की परंपराओं आदि को ध्यान में रखकर, वनीय बंधुओं के रोजगार सृजन के लक्ष्य से, वनवासी बंधुओं के विस्थापन–स्थापन की सधी हुई दृष्टि से, निर्मित करना होगा। मप्र की नई वननीति व्यवसाय नहीं अपितु वनवासी समाज केंद्रित हो यह ध्यान में रखना ही होगा।

खतरे में है कश्मीर में सेब के बागान

—पंकज चतुर्वेदी—

सर्दियों में गर्मी का खेती–किसानी पर असर कई तरीके से हो रहा है। तापमान बढ़ने से कीटों की सुप्तावस्था जल्दी समाप्त हो जाती है, जिससे उनके संक्रमण चक्र बढ़ जाते हैं। जब फल के पेड़ों पर फूल आते हैं, तभी कीट का प्रकोप बढ़ने पर कीट नियंत्रण अधिक कठिन हो जाता है। पुष्पावस्था में कीटनाशकों का छिड़काव उपज और गुणवत्ता दोनों को प्रभावित करता है। सेब फल के पत्तों को खाने वाले कीट सक्रिय हो जाते हैं। इसके अलावा पत्ता गोभी सहित अधिकांश सब्जियों के पौधों पर कीट हमला कर रहे हैं। उच्च तापमान से कुछ ऐसे एंजाइमों का उत्पादन होता है जो समशीतोष्ण फलों के पेड़ों के लिए हानिकारक होते हैं।

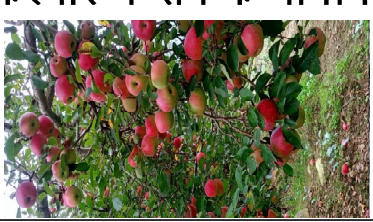

बीते कुछ सालों में कश्मीर घाटी के मौसम में बदलाव यहां के नैसर्गिक पर्यावरण के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। आमतौर पर 21 दिसंबर से 29 जनवरी तक कश्मीर घाटी में चिलई कलां के दौरान तापमान शून्य से नीचे और भारी बर्फबारी होती है। मौसम विज्ञानियों ने भविष्यवाणी की थी कि 2024–2025 में ला नीना प्रभाव के कारण इस क्षेत्र में अच्छी बरसात होगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। न बर्फ गिरी और न ही बरसात। मौसम विभाग ने पहले ही कश्मीर घाटी में जनवरी के महीने में 81 प्रतिशत कम बारिश होने के चलते अलर्ट जारी किया है। कठुआ में पिछले करीब तीन माह के दौरान क्षेत्र में इस बार पर्याप्त वर्षा न होने के कारण किसानों की फसलें सूखने के कगार पर आ गई हैं।

सर्दियों में गर्मी का खेती–किसानी पर असर कई तरीके से हो रहा है। तापमान बढ़ने से कीटों की सुप्तावस्था जल्दी समाप्त हो जाती है, जिससे उनके संक्रमण चक्र बढ़ जाते हैं। जब फल के पेड़ों पर फूल आते हैं, तभी कीट का प्रकोप बढ़ने पर कीट नियंत्रण अधिक कठिन हो जाता है। पुष्पावस्था में कीटनाशकों का छिड़काव उपज और गुणवत्ता दोनों को प्रभावित करता है। सेब फल के पत्तों को खाने वाले कीट सक्रिय हो जाते हैं। इसके अलावा पत्ता गोभी सहित अधिकांश सब्जियों के पौधों पर कीट हमला कर रहे हैं। उच्च तापमान से कुछ ऐसे एंजाइमों का उत्पादन होता है जो समशीतोष्ण फलों के पेड़ों के लिए हानिकारक होते हैं।

आलूबुखारा, खुबानी, चेरी, नाशपाती और यहां तक कि सेब जैसी बागवानी फसलों पर जल्दी फूल लगने से उनका उत्पादन चक्र गड़बड़ा रहा है और अनुकूल मौसम न होने के कारण या तो फूल फल में परिवर्तित नहीं हो पा रहे या फिर बहुत कमजोर हो रहे हैं। तापमान का असर मधुमक्खी और भंवरे जैसे कीटों पर भी पड़ा है, जिससे परागण की नैसर्गिक प्रक्रिया प्रभावित हुई है। वैसे भी सेब की अच्छी फसल के लिए चालीस दिन के लिए कड़ाके की ठंड अनिवार्य होती है जो इस बार दिखी नहीं। कुछ साल पहले तक कश्मीर में सालाना 20 से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब की पैदावार होती थी, अब यह घट कर केवल 17–18 लाख मीट्रिक टन रह गई है। जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित हुई है केसर की खेती। बेमौसम गर्मी के कारण न तो उसकी जड़ों का विस्तार हो पा रहा है और न ही पौधे की वृद्धि।

कम बर्फबारी का सबसे दूरगामी कुप्रभाव है यहां की जल निधियों का अभी से सूखना। गांदरबल जिले की कई सरिताएं और छोटी नदियां अब सूख चुकी हैं। अनंतनाग जिले के मशहूर अचाबल तालाब में तली दिख रही है। कभी इससे 15 गांवों को पानी की आपूर्ति और कई सौ एकड़ धान के खेतों की सिंचाई होती थी। अनंतनाग जिले में वेरीनाग स्रोत में पानी का बहाव बहुत कम हो गया है। वेरीनाग से झेलम नदी निकलती है, जो घाटी के बीच से अनंतनाग, पुलवामा, श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा और बारामूला जिलों तक बहती है और फिर पाकिस्तान के मिथनकोट में सिंधु नदी में मिल जाती है। सिंधु में मिलने से पहले, झेलम और रावी चेनाब नदी में मिलती हैं। समझा जा सकता है कि झेलम की धार कमजोर होने का अर्थ है कि कश्मीर में भयानक जल संकट। इससे भी बड़ा संकट है जमीन और जंगलों के शुष्क होने का। यह जंगल की आग का बड़ा कारक होता है। वैसे भी कश्मीर में जंगल साल दर साल कम हो रहे हैं।

ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में, जम्मू और कश्मीर ने 112 हेक्टेयर प्राकृतिक वन को खो दिया। वर्ष 2020 में, इस क्षेत्र में 1.15 मिलियन हेक्टेयर प्राकृतिक वन था, जो इसके भूमि क्षेत्र का 11 प्रतिशत था। हालांकि, इस क्षेत्र में जंगल में आग की घटनाओं में इजाफा हुआ है और इसका मूल कारण भी कम बर्फबारी से उत्पन्न शुष्क परिवेश है। वर्ष 2001 और 2023 के बीच, जम्मू और कश्मीर में आग लगने से 23 प्रतिशत पेड़ों का नुकसान हुआ। आमतौर पर, एक चिनार 30 मीटर (98 फीट) या उससे अधिक तक बढ़ता है, और अपनी दीर्घायु और फैले हुए मुकुट के लिए जाना जाता है। पेड़ों को अपनी परिपक्व ऊंचाई तक पहुंचने में लगभग 30 से 50 साल लगते हैं और उन्हें अपने पूर्ण आकार तक बढ़ने में लगभग 150 साल लगते हैं।कश्मीर के वन विभाग की 2021 की एक पुस्तिका के अनुसार, कश्मीर में चिनार के पेड़ों की संख्या में गिरावट आई है। जंगल कम होने से कस्तूरी मृग और अन्य कई दुर्लभ जानवरों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है।

हाल के वर्षों में यहां बर्फबारी और बारिश में भारी कमी के चलते कई गंभीर समस्याएं पैदा हो रही हैं, जो एक बड़े जलवायु संकट का संकेत है। सरकार और स्थानीय प्रशासन को जल संरक्षण, वनीकरण और जलवायु अनुकूलन रणनीतियों पर ध्यान देना होगा। साथ ही, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है, ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता और संसाधन सुरक्षित रह सकें।

हिंसा के घातक दृश्यों से घिरा समाज

—क्षमा शर्मा —

आखिर कोई जरूरी तो नहीं कि सब लोग अंत तक इन वीडियोज को देखते हों। कई बार लोग आधा देखकर ही छोड़ देते हैं। लेकिन इनमें दिखाई गई ड्क्षहसा पीछा नहीं छोड़ती। ये जितनी हिसा, बदले, प्रताडनाओं से भरे हैं , उनसे लोग ड्क्षहसा के तरह–तरह के तौर–तरीके सीख सकते हैं। स्त्रियों, बच्चों को मारना किस तरह से ठीक कहा जा सकता है। बूढ़ों को घर से निकालना किस संस्कृति का हिस्सा कहा जा सकता है। कहा ही जाता है कि हमारी फिल्मों, धारावाहिकों, ओ.टी.टी. प्लेटफार्म्स पर आने वाले तमाम तरह की हिसा और गाली–गलौच से भरे कार्यक्रमों से लोग ये सब सीखते हैं। कितनी हत्याएं सिर्फ फिल्मों से प्रेरणा लेकर की जाती हैं।

गैस फुल फ्लेम पर है। उस पर तवा रखा है, एक सास अपनी बहू का हाथ जबरदस्ती जलते तवे पर रख देती है। बहू चीखती, चिल्लाती है। घर में पति है, ननद है, ससुर है मगर कोई कुछ नहीं बोलता। एक फौजी घर लौटता है। वह दरवाजे से झांककर देखता है। बहू उसकी मां के साथ खूब मारपीट कर रही है। उसके बाल खींच रही है। साथ में उसका ब्वॉयफ्रैंड भी है। इतने में पति फोन करता है, तो सास को धमकाती है कि अगर तूने अपने बेटे से कुछ कहा तो ऐसा हाल करूंगी कि याद रखेगी। ऐसे प्रसंगों की भरमार है। पति अपनी पत्नी के खाने में, किसी पेय में जहर मिला रहा है। पत्नी अपने पति के साथ भी ऐसा कर रही है।

घरेलू सहायकों से पति को मरवाने की योजनाएं बना रही है जिससे कि सारी प्रापर्टी उसे मिल जाए और अपने ब्वॉयफ्रैंड के साथ आराम से रह सके। सास बहू को घर से निकाल रही है। तरह–तरह के अत्याचार कर रही है। बहू सास को वृद्धाश्रम भेज रही है। पति पत्नी को धमकी दे रहा है कि निकल जा, तलाक के कागज घर पहुंच जाएंगे। जैसे कि तलाक सिर्फ एक पक्ष अपनी मनमर्जी से ले सकता हो। इसी तरह एक बेटा अपनी पत्नी को खूब मारता–पीटता है। सास, ननद, ससुर सब बहू का पक्ष लेते हैं। बहू की तबीयत खराब हो जाती है, तो सास उसे डाक्टर के पास ले जाती है। डाक्टर बहू से पूछता भी है कि माथे पर चोट कैसे लगी। फिर खुद ही कहता है कि मैं जानता हूं कि कहोगी कि गिर गई थी या दीवार से टकरा गई लेकिन यह सच नहीं है। फिर सास से कहता है कि अब ऐसा कुछ नहीं होना चाहिए क्योंकि यह मां बनने वाली है। जैसे कि अगर बहू मां बनने वाली न होती, तो उसके साथ मारपीट जायज है।

घर आकर सास बताती है कि हमारे घर में बिटिया आने वाली है और पति पत्नी को धमकाता है कि उसे किसी भी सूरत में लड़की नहीं, लड़का चाहिए इसलिए फौरन इस बच्चे को गिरा के आ। सौतेले बच्चों के साथ सौतेले माता–पिता कितना दुर्व्यवहार कर रहे हैं। दहेज के लिए महिलाओं को सताया जा रहा है। ये सब बातें अपने मन से नहीं कह रही हूं। ये सब वीडियोज मैंने पिछले दिनों देखे हैं। फेसबुक पर ऐसे वीडियोज की भरमार है। वीडियोज के अंत में उन्हें ज्यादा से ज्यादा शेयर करने की बातें की जाती हैं। ऐसा लगता है कि वीडियो बनाने वालों को भारतीय कानून की कोई जानकारी ही नहीं है। दहेज लेना–देना अपराध है। बच्चों के साथ, बूढ़ों, स्त्रियों के साथ ड्क्षहसा करना अपराध है। जहर देकर किसी की हत्या करना भी अपराध है। गर्भ में बच्चे की ड्क्षलग की जांच भी अपराध ही है। लेकिन इस पर तर्क यह दिया जाता है कि हम अंत में तो पॉजिटिव एंड करते हैं। अंत भला तो सब भला।

आखिर कोई जरूरी तो नहीं कि सब लोग अंत तक इन वीडियोज को देखते हों। कई बार लोग आधा देखकर ही छोड़ देते हैं। लेकिन इनमें दिखाई गई ड्क्षहसा पीछा नहीं छोड़ती। ये जितनी हिसा, बदले, प्रताडनाओं से भरे हैं , उनसे लोग ड्क्षहसा के तरह–तरह के तौर–तरीके सीख सकते हैं। स्त्रियों, बच्चों को मारना किस तरह से ठीक कहा जा सकता है। बूढ़ों को घर से निकालना किस संस्कृति का हिस्सा कहा जा सकता है। कहा ही जाता है कि हमारी फिल्मों, धारावाहिकों, ओ.टी.टी. प्लेटफार्म्स पर आने वाले तमाम तरह की हिसा और गाली–गलौच से भरे कार्यक्रमों से लोग ये सब सीखते हैं। कितनी हत्याएं सिर्फ फिल्मों से प्रेरणा लेकर की जाती हैं। वे गालियां जो सिर्फ औरतों के अपमान से भरी हैं, उनके रिश्तों को भी छोटा करती हैं, स्त्री से जुड़े सारे रिश्तों की गालियां हमारे समाज में खूब दी जाती हैं, लेकिन उनका कोई प्रतिवाद नहीं करता। वे इन दिनों कूल हैं। अक्सर मैट्रो में या युवाओं की बातचीत में इन गालियों की भरमार होती है। वे किस तरह की शिक्षा ऐसे कथानकों से लेते होंगे, यह सोचने की बात है।

लेकिन जब सारी सफलता इस बात से ही तय होती हो कि कथानक और विजुअल्स को अधिक से अधिक हिंसा से भरा जाए, जिससे कि अधिक से अधिक लोग उन्हें देखें और विज्ञापन मिलें तो इनकी मंशा को समझा जा सकता है। और कह यह दिया जाता है कि हम नया थोड़े ही कुछ दिखा रहे हैं, यह सब तो हमारे समाज में होता है, इसलिए दिखा रहे हैं। कुछ मर्यादाएं भी होती हैं, इन्हें अक्सर भुला दिया जाता है। लेकिन मर्यादाओं की बातें करना इन दिनों कंजर्वेटिव और पिछड़ेपन के खाते में डाल दिया जाता है। रणवीर अलाबादिया का केस सबके सामने ही है। वैसे भी समाज में जो कुछ हो रहा है, और वह जीवन के मानकों के अनुकूल नहीं, तो उनका विरोध होना चाहिए या उन्हें बढ़–चढ़कर दिखाना चाहिए। पोर्न और सैक्स इंडस्ट्री तो चलती ही इन सबसे है। बच्चों के प्रति तमाम तरह के अपराध यहां तक कि दुष्कर्म के लिए भी पोर्न बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। कहां हैं स्त्रियों, बच्चों और बूढ़ों के अधिकारों की बातें करने वाले। जब भी इन पर कोई लगाम लगाने की बातें होती हैं, सैंसरशिप और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के हिमायती मैदान में आ जाते हैं। इस तरह के कार्यक्रमों पर रोक जरूर लगानी चाहिए।

मुठभेड़ में पशु तस्कर के पैर में लगी गोली, छह प्रतिबंधित पशु मुक्त

संवाददाता–कुशीनगर। चौराखास थाना क्षेत्र में बुधवार को तड़के पुलिस ने मुठभेड़ में पशु तस्कर को घायल कर उसके कब्जे से छह प्रतिबंधित पशुओं को मुक्त करा लिया। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने पुलिस टीम पर ही तमंचे से फायर झोंक दिया था।

एस पी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार आधी रात के बाद पुलिस सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ पशु तस्कर पिकप वाहन से एनएच–28 के रास्ते गोवंशीय पशुओं को चोरी छिपे लादकर बिहार ले जा रहे हैं। इस सूचना पर तत्काल योजना बनाते हुए पुलिस टीमों का गठन किया गया। जिसमें थाना चौराखास, थाना पटहेरवा व स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना चौराखास क्षेत्रान्तर्गत पीआरके मेमोरियल स्कूल जौरा बाजार के आगे दूबे पट्टी जाने वाली लिंक सड़क के पास घेराबंदी कर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान एक पिकप वाहन आते दिखाई दिया, जिसको पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया गया तो वाहन में सवार एक व्यक्ति द्वारा लक्ष्य साधकर पुलिस टीम पर जान मारने की नियत से फायर किया गया। जवाबी प्रतिरक्षा में पुलिस टीम द्वारा फायरिंग की गयी, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। उसकी पहचान रूस्तम पुत्र हजरत निवासी डुमरी टोला सिसवा महंथ थाना कसया के रूप में हुई। उसके कब्जे से छह प्रतिबंधित पशुओं को मुक्त कराया गया। तमंचा, दो कारतूस, मोबाइल, ठीहा, एक बाँका, रस्सी और 1500 रुपए आदि बरामद किए गए हैं ।

पकड़े गए पशु तस्कर पर थाना तरकुलवा जनपद देवरिया, थाना गौरा चौराहा जनपद बलरामपुर और खुशीनगर जिले में पहले के केस दर्ज है। चौरा खास के प्रभारी निरीक्षक विद्याधर कुशवाहा, स्वाट के प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार सिंह, पटहेरवा थानेदार दीपक कुमार सिंह, स्वाट के दरोगा आलोक यादव, चौरखास के दरोगा देवीलाल यादव, रामप्रगट मिश्रा व उनकी टीमें शामिल रही।

अस्पताल में भर्ती इंटर की छात्रा ने तोड़ा दम

संवाददाता–कुशीनगर। खड्डा कस्बे के शास्त्री नगर मोहल्ला निवासी कक्षा 12 वीं की छात्रा की तबीयत बिगड़ने से गोरखपुर के गोरखनाथ चिकित्सालय में कुवार की सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई है इसकी सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। खड्डा के शास्त्री नगर मोहल्ला निवासी मधु उर्फ मकसूदन यादव किसान है। इनके पांच पुत्रियां व दो पुत्र हैं। जिसमें से दो पुत्रियों की शादी हो चुकी है। सबसे छोटी पुत्री बन्दना 18 वर्ष खड्डा के श्रीगांधी किसान इंटर कालेज में कक्षा 12 वीं की छात्रा थी। 24 फरवरी को इंटर का बोर्ड परीक्षा देने सोहरौना स्थित कांती देवी इंटर कालेज सेंटर पर गई थी। जहां स्कूल में इंट्री लेने से पहले अचानक उसकी तबीयत बिगड गई।तौ आनन फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुर्कहा में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गम्भीर देख जिला अस्पताल वहा से गोरखपुर रेफर कर दिया गया। तो परिजनों ने गोरखनाथ चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां कुवार की सुबह शिवरात्रि को ईलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। छात्रा बन्दना की असमय मृत्यु हो जाने पर सासंद विजय दुबे, विधायक विवेकानन्द पाण्डेय, चेयरमैन प्रतिनिधि दुर्गेश वर्मा, डाक्टर निलेश मिश्रा, प्रवन्धक अमियमय मालवीय प्रधानाचार्य डाक्टर अभिषेक सिंह, अध्यापक मुकेश पाठक,आलोक तिवारी, सुगाषचन्द्र गुप्त, दिवाकर यादव सहित आदि ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए गहरा दुःख जताया है।

मंदिर परिसर में आर्केस्ट्रा होने पर पहुंची पुलिस

संवाददाता–महराजगंज। नगर पालिका परिषद महराजगंज के शिव नगर वार्ड में स्थित शिवमंदिर पर महाशिवरात्रि पर्व पर मेले का आयोजन किया गया। आयोजक समिति के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्रद्धालु जब पूजा करने मंदिर में पहुंचे तो वहां आर्केस्ट्रा हो रहा था। मंदिर परिसर में भोजपुरी गानों पर नर्तकी ठुमका लगाती रही। इसकी सूचना किसी ने नगर चौकी को दी। मौके पर पहुंचे नगर चौकी इंचार्ज विजय कुमार दुबे अपने टीम के साथ पहुंचे और आर्केस्ट्रा को बंद कराते हुए डीजे को सीज कर दिया।

हर हर महादेव के जयकारों से गूंजे जिले के सभी शिवालय

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। स्थानीय झारखंडी मंदिर पर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों से आए शिवभक्तों का तांता भोर चार बजे से ही लगा रहा। शिवभक्तों ने झारखंडी मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक कर अपनी मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना भोले से किया। मंदिर परिसर में शिवभक्तों के जनसैलाब को देखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क रहा। सभी भक्तों को क्रमबद्ध लाइन लगाकर शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन व जलाभिषेक करने दिया। मंदिर में ओम नमरू शिवाय, हर हर महादेव के जयकारों की गूंज बनी रही। श्रद्धालु रुद्राभिषेक व महामृत्युंजय का जाप कराते नजर आए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिन भर शिव मंदिरों हर–हर बम–बम की गूंज सुनाई पड़ती रही। कई स्थानों पर लगे मेले का बच्चों ने खूब आनंद उठाया।

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर महिलाओं में भारी उत्साह देखने को मिला। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं संख्या मंदिरों में अधिक रही। मंदिर के मुख्य गेट के बाहर से ही जलाभिषेक के लिए महिलाओं की लाइन लगी रही। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर गेट बड़े वाहनों के आवाजाही पर रोक लगा दी गई थी। पुलिस प्रशासन की ओर से झारखंडी मंदिर प्रांगण में दो लाइन लगवाए गए। जिससे महिलाओं को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो। मंदिर से लेकर सरोवर तक सैकड़ों लोग जलाभिषेक के लिए लाइन लगाकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। महिलाओं ने मंदिर के पवित्र कुएं पर भी पुष्प व जलाभिषेक किया। पूरा दिन शहर से लेकर ग्रामीण अंचल के श्रद्धालुओं का तांता शिव मंदिरों में लगा रहा। महाशिवरात्रि पर्व पर पंडित बजरंगी प्रसाद शास्त्री ने कहा कि इस दिन भोले शिव को जलाभिषेक करने पर मनुष्य के सभी पाप धुल जाते हैं। जलाभिषेक व रुद्राभिषेक से मनुष्य का विचार सात्विक हो जाता है। इसी तरह तराई क्षेत्र के जंगली नाथ, शिवनाथ, मोहनदास बाबा आदि शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिर में ओम नमरू शिवाय, हर हर महादेव के जयकारों की गूंज बनी रही। सभी श्रद्धालुओं ने स्थानीय शिव मंदिरों पर जलाभिषेक कर भगवान भोले से मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। वहीं सायडीह मदारा शिव मंदिर पर श्रद्धालुओं की लम्बी कतार देखने को मिली। यहां पर पर्व के मद्देनजर भंडारे का आयोजन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया।

छात्रों को समय से मिलेंगी किताबें, नहीं बाधित होगी पढ़ाई

संवाददाता–बलरामपुर। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष परिषदीय नौनिहालों को पुस्तकों का इंतजार नहीं करना होगा। इस बार बेसिक शिक्षा निदेशालय से कक्षा चार से आठ तक की लगभग विषयों की किताबें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। जिला कोठार को अब तक 15.50 लाख के सापेक्ष छह लाख 16 हजार 857 पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। इसमें कक्षा एक से तीन तक की किताबों का आना बाकी है। जिले में 1841 प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट सहित 11 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय संचालित हैं। इसके अलावा 12 बेसिक शिक्षा विभाग से ऐडेड विद्यालय, 23 माध्यमिक शिक्षा विभाग से एडेड स्कूल एवं 25 मदरसा भी शामिल हैं। जिसमें करीब दो लाख 27 हजार छात्र पंजीकृत हैं। इन सभी छात्रों को बेसिक शिक्षा विभाग से निशुल्क पाठ्य पुस्तकें दी जाती हैं। जिले के बेसिक शिक्षा विभाग से निदेशालय को लगभग 15.50 लाख पुस्तकों की डिमांड की गई है। डिमांड के सापेक्ष तीन चरण में अब तक छह लाख 16 हजार 857 पुस्तकें ब्लॉक संसाधन केंद्र सेखुई कला के जिला कोठार में उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। जहां से ब्लॉक संसाधन केंद्र को पुस्तकें में भेजी जा चुकी हैं। वहीं सत्यापन समिति ने किताबों की जांच कर बीआरसी को भेजने को लेकर हरी झंडी दे दी है। बेसिक शिक्षा निदेशालय से जिला कोठार को परिषदीय विद्यालयों की एक पाठ्य पुस्तकों के सत्यापन के लिए पांच सदस्यीय सत्यापन समिति बनी हुई है। जिसमें जिला कृषि अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी निहारिका विश्वकर्मा, बेसिक शिक्षाधिकारी शुभम शुक्ल, डायट प्रवक्ता एवं खंड शिक्षाधिकारी अशोक पाठक शामिल हैं। इन सभी ने कोठार को उपलब्ध कराई गई किताकों का सत्यापन कर ब्लॉक संसाधन केंद्रों को भेजने की हरी झंडी दे चुके हैं, इनके हरी झंडी मिलते ही ब्लॉक संसाधन केंद्र पर लगभग सभी किताबें भेजी जा चुकी हैं। यहां से स्कूलों को किताबें भेजने का सिलसिला गुरुवार से शुरु हो जाएगा।

नहर किनारे सड़क पर पड़ा मिला महिला का शव, हत्या की आशंका

संवाददाता–बलरामपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र स्थित महुआ चौबेपुर गांव के बीच बुधवार सुबह नहर किनारे सड़क पर महिला का शव पड़ा मिला है। महिला के माथे व चेहरे पर चोट के निशान पाए गए हैं। उसकी पहचान नहीं हो सकी है। क्षेत्रवासियों ने महिला की हत्या के बाद उसका शव सड़क पर फेंके जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रभारी निरीक्षक ने कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी। महिला के शव का पहचान कराए जाने की बात कही जा रही है।

बुधवार सुबह कुछ राहगीरों ने महुआ चौबेपुर गांव के बीच स्थित सरयू नहर के पूरब सड़क पर महिला का शव पड़ा देखा। शव पड़े होने की सूचना प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र वर्मा व जैतापुर चौकी इंचार्ज रमन वर्मा को दी गई। पुलिस के पहुंचने के पहले ही घटना स्थल पर काफी भीड़ लग गई थी। महिला का शव औंधे मुंह पड़ा था। जिसकी उम्र लगभग 25 वर्ष के आस पास बताई गई है। शव को मटमैले रंग के चादर से ढक दिया गया था। महिला ने चप्पल नहीं पहन रखा था। दोनों पैरों में पायल पहन रखा था। कान में पीलें रंग का झुमका व नाक में कील पहन रखी थी। घटना स्थल पर सीओ ज्योतिश्री व फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। शव पड़े स्थान को सील कर भीड़ को वहां से हटा दिया गया। महिला ने सलवार कुर्ता पहन रखा था। मांग में सिंदूर था। पुलिस ने आस पास का एरिया खंगाला, लेकिन उन्हें मौके पर कोई साक्ष्य नहीं मिला। तमाम लोगों ने शव को देखा लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। आस पास के गांव में भी सूचना दी गई।

फोरेंसिक टीम ने शव को पलटा तो चौंकाने वाले तथ्य दिखाई पड़े। महिला के माथे पर चोट का निशान पाया गया। चेहरे पर भी चोट के कई निशान दिखे। दाहिने हाथ में भी चोट दिखाई पड़ा। घटना स्थल पर मौजूद लोगों का कहना था कि रात दस बजे तक महिला का शव वहां नहीं था। किसी ने हत्या करने के बाद शव को सड़क पर फेंक दिया है। लोग यह भी अंदाजा लगा रहे थे कि महिला किसी आस पास गांव की ही रहने वाली है। मौके पर खून बिखरा पड़ा नहीं मिला। लोग कह रहे थे कि महिला की हत्या कहीं दूसरी जगह की गई है। माथे पर सूजन देखकर लोग अंदाजा लगा रहे थे कि उसे किसी राड अथवा डंडे से मारा गया है। चौबेपुर, परसा व महुआ सहित अन्य आसपास के गावों में महिला की पहचान नहीं हो पाई है। प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र वर्मा ने चोटों के निशान पाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि महिला की मौत दुर्घटना में हुई या उसकी हत्या की गई, यह अभी कहना जल्दबाजी होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

अवैध खनन करने व संलिप्त कर्मियों को चिंहित कर होगी कार्रवाई –डीएम

संवाददाता–बहराइच। कलेक्ट्रेट सभागार में कर करेत्तर राजस्व वसूली में लापरवाही पर डीएम मोनिका रानी तल्ख दिखी। कहा कि वित्तीय वर्ष के अंत तक लक्ष्य से कम वसूली वाले विभागों पर कार्रवाई संग वेतन भी बाधित की जाएगी। अवैध खनन के सामने आ रही शिकायतों पर भी डीएम सख्त दिखी। संबंधित अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि खनन कराने व खनन करने वाले दोनों को चिंहित कर कठोर कार्रवाई करें, ताकि दूसरे लोग हिम्मत न कर सकें। डीएम ने साफ तौर पर कहा कि जिले में अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश के लिए प्रवर्तन की कार्यवाही की गति बढ़ाए। अवैध खनन में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई संग संलिप्त वाहनों को सीज करें। समय से रायल्टी जमा कराएं। लम्बे समय से चल रहे वादों को चिन्हित कर अभियान संचालित कर उन्हें निस्तारित करें। विभिन्न न्यायालयों पर प्रचलित सीलिंग से सम्बन्धित वादों में प्रभावी पैरवी कर उन्हें निस्तारित कराया जाय। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा से सम्बन्धित आवेदन–पत्रों को किसी भी स्तर पर लम्बित न रखा जाये। बैठक में कर एवं करेत्तर राजस्व वसूली की मदवार समीक्ष में कहा कि किसी भी विभाग की राजस्व वसूली लक्ष्य से कम नहीं होनी चाहिए।

देश के विकास में योगदान दे रहा राज्य कर विभाग, अफसरों व कर्मियों के साथ वकीलों ने मनाया स्थापना दिवस

संवाददाता–बलरामपुर। अफसरों व कर्मियों के साथ जुड़े वकीलों ने बुधवार को राज्य कर विभाग का स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया। केक काटकर राज्य कर विभाग के देश के प्रति योगदान पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त राज्य कर अभिषेक गुप्त ने कहा कि व्यापारियों से टैक्स जुटाकर विभाग देश के विकास में शानदार योगदान दे रहा है। 26 फरवरी 1948 को राज्य कर विभाग का गठन किया गया था। तबसे विभाग शानदार योगदान दे रहा है। उन्होंने जिले के व्यापारियों से अपील किया कि देश के विकास में योगदान देने के लिए समय पर टैक्स जमा करें। सहायक आयुक्त राज्य कर डॉ. मनोज कुमार ने कार्यक्रम का संचालन कर विभाग के योगदान को बताया। सहायक आयुक्त राज्य कर प्रवीण कुमार सिंह, राज्य कर अधिकारी प्रवीण कुमार व फैसल खान ने अपने–अपने विचार व्यक्त किए।

अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष इंदुभूषण जायसवाल व मंत्री अभय प्रताप सिंह, बलरामपुर टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश कुमार गुप्त, संगठन मंत्री आशीष कुमार मिश्र, सचिव अजय कुमार श्रीवास्तव व कोषाध्यक्ष प्रहलाद कुमार चौहान ने भी राज्य कर विभाग की स्थापना दिवस पर होने वाले कार्यक्रम में शामिल होकर योगदान को बताया। कार्यक्रम में राज्य कर विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के साथ अधिवक्ता भी मौजूद रहे।

सरयू नदी में डूबने से बालक की मौत

संवाददाता–देवरिया। जिले के मईल थाना क्षेत्र के भागलपुर पक्का पुल के नीचे सरयू नदी में एक दस वर्षीय बालक का शव बुधवार की सुबह उतराता हुआ मिला। बालक के शव को देख मौके पर जुटी लोगों की भीड़ ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बालक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मईल थाना क्षेत्र बलिया दक्षिण निवासी रामाज्ञा राजभर का दस वर्षीय बेटा कृष्णा मंगलवार को किसी कार्य से भागलपुर में सरयू नदी पर बने पक्का पुल की तरफ गया था, जहां वह नदी में गिर गया। परिजन उसकी काफी तलाश किए , लेकिन कही पता नहीं चल सका। जिसके बाद परिजन थाने पर गुमशुदगी दर्ज कराई।

बुधवार की सुबह कृष्णा का शव मछुआरों ने सरयू नदी में उतराता हुआ देखा। जिसके बाद लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर कृष्णा की मौत की जानकारी होने घर पर कोहराम मच गया। घर पर माता रिद्धि देवी व पिता रामाज्ञा का रो–रोकर बुरा हाल है। कृष्णा दो भाई एक बहन में छोटा था।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार राय ने बताया कि एक दस वर्षीय बालक का शव सरयू नदी से बरामद किया गया है। बालक की पहचान कृष्णा कुमार पुत्र रामाज्ञा निवासी बलिया दक्षिण के रूप में किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेज दिया गया है।

बहराइच जेल से श्रावस्ती के जिलाकारागार भेजे जा रहे कैदी

संवाददाता–बहराइच। श्रावस्ती जिला कारागार का संचालन शुरू हो गया है। बहराइच जेल में निरुद्ध श्रावस्ती जिले के बंदियों को स्थानांतरित करने की कवायद भी शुरू हो गई है। तीन चरणों में सभी बंदियों को स्थानांतरित करने का फैसला किया गया है। पहले दो चरणों में सजायाफ्ता बंदी भेजे जाएंगे। इनमें 20 बंदियों को भेज दिया गया है। श्रावस्ती के बंदियों के शिफ्ट हो जाने से कानूनी प्रक्रिया गति पकड़ेगी। सुरक्षा व बंदियों के रहने में भी कोई दिक्कत नहीं होगी। बहराइच जिलाकारागार में लंबे समय से श्रावस्ती जिले के भी बंदी निरुद्ध किए जा रहे हैं। वर्तमान में 950 से अधिक बंदी जेल में निरुद्ध हैं। इनमें 253 बंदी श्रावस्ती जिले के हैं। जिनमें 44 बंदी सजायाफ्ता हैं। इन बंदियों को तीन चरणों में शिफ्ट करने का खाका जेल प्रशासन ने तैयार किया है। पहले दो चरणों में सजायाफ्ता बंदी भेजे जाएंगे। अब तक 20 बंदी भेजे जा चुके हैं। 24 बंदी शुक्रवार तक और श्रावस्ती पहुंच जाएंगे। इसके बाद अवशेष बंदियों को एक साथ शिफ्ट किया जाएगा। इन बंदियों के मुकदमों से संबंधित दस्तावेज भी श्रावस्ती जेल प्रशासन को सौंपे जा रहे हैं। जेलर अजय कुमार झा ने बताया कि यहां निरुद्ध बंदियों को श्रावस्ती जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सुरक्षा के बीच बंदियों को भेजा जा रहा है। श्रावस्ती जेल की क्षमता 550 बंदियों के रखने की है। मार्डन जेल होने से बंदियों को कई सहूलियतें भी मिलेंगी। बहराइच जेल में निरुद्ध बंदियों को भी अब राहत मिलेगी।

शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए उमड़े श्रद्धालु,लगी रही लम्बी लाइन

संवाददाता–बहराइच। महाशिवरात्रि पर तड़के तीन बजे से ही शिवमंदिरों की ओर भक्तों का रेला बढ़ा। बोल बम.. बोल बम के नारों के साथ माहौल भक्तिमय रहा। जिले के सभी पांडवकालीन शिवमंदिरों में दिन भर भक्तों ने दूध, दही, शहद से रुद्राभिषेक किया। गाजे बाजे के साथ शिव बारात निकाली। भक्त झूमे।

शहर स्थित श्रीसिद्धनाथ मंदिर में रात 12 बजे मंहथ श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर रवि गिरी ने भगवान भोले नाथ का फूलों से शृंगार किया। इसके पश्चात रुद्राभिषेक की प्रक्रिया शुरू हुई। श्रीसिद्धनाथ मंदिर में मंगलवार रात रुद्राभिषेक में यजमान प्रकाश गुप्ता, संजय जायसवाल, गोल्डी शामिल हुए। मंगला आरती कर मंगलवार रात 1ः20 बजे कपाट श्रद्धालुओं को खोल दिए गए। मंदिर के कपाट खुलते ही आस्थावान शिवभक्तों का रेला मंदिरों की ओर से निकल पड़ा। महादेव की भक्ति में लीन श्रद्धालु जयकारा लगाते हुए पहुंचने लगा। मंदिरों पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त रहे। ड्रोन के जरिए आसमान से भी नजर रखी गई। प्रशासन की ओर से मंदिर के संकरे रास्ते के मद्देनजर मंदिर प्रवेश को नारी, पुरुषों की अलग अलग कतार लगी। लम्बी लाइन में खड़े होकर श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन किया। पांडवकालीन श्रीसिद्धनाथ मंदिर में आधीरात को ही भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। भोर चार बजे तक चित्रशाला टाकीज के आगे तक लगभग आठ सौ मीटर लंबी महिलाओं व पुरुषों की पीपल तिराहे से लाइन लग गई। दिन चढ़ने के साथ ही लाइन लंबी होती गई। हालात ये हो गए तीन घंटे लाइन में लगने के बाद ही मंदिर के अंदर प्रवेश मिल पाया। महादेव व माता गौरा की भक्ति में डूबे भक्त जयकारों के साथ आगे बढ़ते रहे। भारी भीड़ को देखते हुए उच्चाधिकारी भी हर घंटे पर चक्कर लगाते हुए अधीनस्थों को दिशा–निर्देश देते रहे। ग्रामीण क्षेत्रों से कांवड़िए भी 10 बजे के बाद कांवड़ लेकर मंदिर पहुंचने लगे। इसको देखते हुए पुलिस सतर्क हुई। कांवड़ियों को भीड़ से अलग रास्ते अंदर प्रवेश दिया गया। जगह–जगह कांवड़ यात्रा में शामिल शिव भक्तों पर पुष्पवर्षा कर लोगों ने स्वागत किया।

भगवान भोलेनाथ व मां गौरा के दाम्पत्य जीवन से जुड़े महाशिवरात्रि पर्व पर शिव मंदिरों में नवविवाहित बड़ी संख्या में पूजन–अर्चन को पहुंचे थे। फूल–अक्षत, सिंदूर, धतूर, बेलपत्ती, भांग, बेर समेत अन्य सामग्रियां भोलेनाथ को अर्पित की गई। विधि–विधान से महादेव की पूजा कर अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा। नव विवाहितों का कहना रहा कि यह दिन उन लोगों के लिए खास है, जब भगवान भोले व माता पार्वती भी इस वंदन में बंधते हैं।

शिवमंदिरों में आपात स्थिति से निपटने के लिए भी पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। शहर के श्रीसिद्धनाथ मंदिर के बाहर दमकल विभाग की पूरी टीम मुस्तैद रही। एंबुलेंस के अलावा नगर पालिका की टीम भी भ्रमणशील रही। सफाई निरीक्षक सुरेश गोविंद मिश्र ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वच्छ पानी से भरे टैंकर लगवाए गए हैं। ताकि जलाभिषेक संग पानी पीने के लिए शिवभक्तों को कोई समस्या न होने पाए।

अनियंत्रित बाइक टकराई होमगार्ड सहित दो घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। ड्यूटी पर जा रहे होमगार्ड को अनियंत्रित बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इससे दोनों लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। सिरसिया थाने के चतुरी निवासी रामसमुझ (55) होमगार्ड है। बुधवार को सुबह राम समुझ बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे। इसी थाने के बिल्ही विशंभरपुर गांव के पास पहुंचे तो सामने से अनियंत्रित गति से आ रहे बाइक सवार ने होमगार्ड की बाइक में टक्कर मार दी। इससे दोनों बाइक सवार गिर कर घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों बाइक सवारों को उठा कर एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया।

बचपन प्ले के बच्चों ने शिवरात्रि पर्व को किया सेलिब्रेट

संवाददाता–महराजगंज। बचपन प्ले स्कूल नौतनवा के बच्चों ने शिवरात्रि पर्व को धूमधाम से सेलिब्रेट किया। इस दौरान बच्चों ने शिव पार्वती की झांकी प्रस्तुत कर उनका आशीष प्राप्त किया। बच्चों को शिवरात्रि पर्व के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए भगवान शिव के कई अन्य नाम से भी परिचय कराया गया।

डायरेक्टर अंजली ने बच्चों को शिवरात्रि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि भगवान शिव की महिमा अपार है। भगवान शिव को शंकर, भोलेनाथ, महादेव, महाकाल, शिव, नीलकंठ आदि के नाम से भी पुकारा जाता है। अंजलि ने बच्चों को भगवान शिव के प्रति जानकारी देते हुए बताया कि भगवान शिव हमारी प्रेरणा है। हमें उनके जीवन से दया, करुणा, त्याग , दान आदि सीखना चाहिए। अंजलि ने बताया कि इस तरह के आयोजन के जरिए बच्चे शिक्षा व संस्कार दोनों सीखने का मौका पाते हैं।

होली में बवाल किया तो खैर नहीं, नोटिस थमा रही पुलिस

संवाददाता–महराजगंज। होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिले की पुलिस ने अभी से कमर कस ली है। प्रशासनिक अधिकारियों ने मिश्रित क्षेत्र के विभिन्न समुदायों के लोगों से संवाद स्थापित कर कौमी एकता और आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीस कमेटी की बैठकें आयोजित की जा रही हैं, जहां नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है कि वे किसी भी अफवाह या उकसावे में न आएं।

इस बार होली का पर्व शुक्रवार को पड़ रहा है, जिसे देखते हुए पुलिस प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। गांवों में बीट सिपाही और हल्का दरोगा लगातार लोगों से संवाद कर रहे हैं और किसी भी संभावित विवाद की स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। होली पर्व से पहले पुलिस द्वारा होलिका दहन स्थलों का भी निरीक्षण किया जा रहा है। स्थानीय लोगों से संवाद कर सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन दौरों की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जा रही है, ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत निर्णय लिया जा सके। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अशांति या उपद्रव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूर्व में विवादित स्थानों की पहचान कर वहां विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन लोगों को भी नोटिस जारी किया जा रहा है, जो पहले किसी विवाद में शामिल रहे हैं। बीएनएसएस की धारा 169 के तहत ऐसे व्यक्तियों को आगाह किया गया है कि वे किसी भी तरह की शांति भंग करने वाली गतिविधि से दूर रहें। साथ ही, पुलिस ने शांतिभंग की आशंका के मद्देनजर निरोधात्मक कार्रवाई भी शुरू कर दी है।

एसपी सोमेन्द्र मीना ने कहा कि होली का पर्व प्रेम और सद्भाव का है। इसे सौहार्द के साथ मनाने के लिए पीस कमेटी की बैठक में निरंतर आह्वान किया जा रहा है। यह भी अपील की जा रही है कि किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

जिससे त्वरित कार्रवाई कर नियत्रित किया जा सके। एसपी ने कहा कि आगामी त्योहार पर शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले भर में विशेष निगरानी और गश्त की व्यवस्था की गई है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

शिव मंदिर में सीएम योगी ने किया भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक, पूजा अर्चना की

संवाददाता—गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का महाशिवरात्रि पर्व पर बुधवार सुबह से ही अनुष्ठान जारी रहा। इसके साथ ही शहर के अंधियारी बाग स्थित मानसरोवर मंदिर में सबसे पहले सीएम योगी ने पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विधि पूर्वक पूजा अर्चना की।

इसके बाद वह राजघाट स्थित बाबा मुक्तेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ काजल अभिषेक कर फल फूल इत्यादि अर्पण किया। मंदिर के बाहर निकल कर उन्होंने मीडिया कर्मियों से बातचीत कर महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। इसके बाद कुनराघाट घाट स्थित महादेव झारखंडी मंदिर पहुंचे जहां वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच उन्होंने भगवान शिव का जलाभिषेक कर लोक कल्याण की कामना की।

राजघाट में बाबा मुक्तेश्वर नाथ मंदिर में दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाशिवरात्रि का यह पावन पर्व है। प्रयागराज में काशी में तथा सभी शिवालयों के साथ प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि महादेव कल्याण के देवता हैं। सबके कल्याण का भाव रखते हैं। उनकी कृपा दृष्टि से ही यह सभी व्यवस्था संचालित हो पाती है। अपार श्रद्धा भाव के साथ श्रद्धालु जन यहां दर्शन कर रहे हैं। हर शिवालय में अपार भीड़ है। आस्था भारत की एकात्मता का प्रतीक है। इस आस्था को मैं नमन करता हूं। महाकुंभ प्रयागराज में अपार भीड़ है। 13 जनवरी से प्रारंभ हुआ महाकुंभ प्रयागराज आज पूर्णाहुति को प्राप्त करेगा। लगभग 66 करोड़ श्रद्धालु जन मां गंगा, मां यमुना व मां सरस्वती कि त्रिवेणी में डुबकी लगाकर राष्ट्रीय एकात्मकता का एक संदेश दे रहे हैं। और वसुधैव कुटुंबकम के भाव के साथ हर एक श्रद्धालु जन को राष्ट्रीयता के भाव से समर्पण करने की एक प्रेरणा भी प्रदान कर रहे हैं। पावन स्नान पर हृदय से उनका अभिनंदन करते हैं।

बाबा विश्वनाथ धाम काशी में लाखों की संख्या में श्रद्धालु जन पिछले डेढ़ महीने से लगातार 8 से 10 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन बाबा विश्वनाथ धाम में दर्शन कर रहे है। आज महाशिवरात्रि है। अयोध्या धाम में भी यही स्थिति है। 8 से 10 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन वहां राम जन्मभूमि पर रामलाल के दर्शन कर रहे हैं। अयोध्या धाम में भी अपार भीड़ है। प्रदेश के सभी शिव मंदिरों में यही स्थिति है। गाजियाबाद में बाबा दूधेश्वर नाथ धाम में भीड़ है। बरेली तो नाथनगरी के नाम से विख्यात है। उन्होंने विभिन्न शिवालयों के नाम व महत्व को भी बताया। कहा कि हम विभिन्न शिवालयों में दर्शन कर रहे श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हैं। मानसरोवर मंदिर, बाबा मुक्तेश्वर नाथ मंदिर समेत अन्य मंदिरों में काफी भीड़ है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि जिस लोक कल्याण की भाव की प्रेरणा महादेव से हम सबको प्राप्त होती है, उसे लोक मंगल की कामना से हम लोग अपने समाज के लिए अपने राष्ट्र के लिए समर्पण भाव के साथ कार्य कर पाएंगे।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ी आस्था

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। महाशिवरात्रि के पर्व पर बुधवार की अल सुबह से ही जिले के शिव मंदिरों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने देवाधिदेव महादेव का दर्शन पूजन कर अपने आस्था के जल से शिवलिंग पर जलाभिषेक किया और परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की।

शहर के श्रीसिंहेश्वरी मंदिर, पुराना नौगढ़ शिव मंदिर, बाबा पल्टनदास मंदिर सेमरा, डुमरियागंज के भारतभारी शिव मंदिर, इटवा के कटेश्वर नाथ मंदिर आदि जगहों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं की भीड़ से मंदिर के आसपास मेला जैसा माहौल रहा। आस्था में अव्यवस्था न फैले इसको लेकर मंदिरों पर पुलिस के जवान भी मौजूद रहे।

मुठभेड़ में एक बदमाश को पैर में लगी गोली, सात गिरफ्तार

संवाददाता—गोरखपुर। रामगढ़ताल रिंग रोड पर मंगलवार की देर रात चेकिंग के दौरान बदमाशों की रामगढ़ताल थाने की पुलिस के मुठभेड़ हो गई, पुलिस पर फायरिंग कर बदमाश भागने लगे। जवाबी फायरिंग में एक लुटेरा शफीक शेख उर्फ कोईल के पैर में गोली लग गई। जिससे वह गिर गया। उसके अन्य साथी भागने लगे, जिसे पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। जिस बदमाश को गोली लगी है, उसकी पहचान गौउ थानाक्षेत्र के जगदीशपुर धोबियान टोला निवासी शफीक शेख उर्फ कोइल के रूप में हुई है। पकड़े गए 6 बदमाशों में उसके तीन सगे भाई रमजान शेख, अली जान उर्फ छोटू, जान मोहम्मद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सहजनवा का नीतीश उर्फ शुभम, विकास सिंह, अरुण कुमार को भी पकड़ा गया है। उनके पास से चोरी की दो पल्सर बाइक, लगभग 27 मोबाइल, असलहा आदि बरामद हुआ है। गाड़ी चोरी कर देते थे छिनैती की घटना को अंजाम इस गिरोह का सरगना शफीक शेख उर्फ कोइल है। वह अक्सर पल्सर बाइक चुराता था। उसके बाद किसी एक रूट पर जाते हुए छिनैती करता जाता था। जहां उसका काम खत्म हुआ, बाइक छोड़ देता था। बाइक बेचने या तेल भराने के लिए वे नहीं जाते थे। जिसके कारण अब तक पुलिस की पकड़ से दूर थे। अन्य साथी मोबाइल बेचवाने में करते थे सहयोग उसके अन्य साथी मोबाइल बेचवाने में सहयोग करते थे। उनका कनेक्शन नेपाल से भी था। माना जा रहा है कि 50 से अधिक मोबाइल छीनकर बेच चुके हैं। कैंट थाने में उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कोईल का भाई तोता पहले से जेल में कोईल 8 भाई हैं। 4 एक साथ पकड़े गए हैं। उनका एक भाई तोता पहले से मोबाइल छिनैती में लिप्त था। इसी मामले में वह जेल में है।

अभाविप ने शिवालयों में चलाया स्वच्छता अभियान

संवाददाता—गोरखपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की महानगर इकाई के कार्यकर्ताओं ने महाशिवरात्रि पर्व पर शिवालयों में स्वच्छता अभियान चलाया।

विभिन्न शिवालयों में सेवार्थ विद्यार्थी व विकासार्थ विद्यार्थी गतिविधि के तहत शिव भक्तों को दुग्ध वितरण करते हुए प्लास्टिक मुक्त मंदिर व स्वच्छता के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। झारखंडी मंदिर पर मेडिविजन के माध्यम से निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगा।

इस दौरान सेवार्थ विद्यार्थी के प्रांत संयोजक आकाश सिंह, एबीवीपी, गोरक्ष प्रांत के मंत्री मयंक राय, प्रांत संयोजक आलोक गुप्ता, प्रांत संगठन मंत्री हरिदेव, राजवर्धन, निखिल गुप्ता, अर्पित कसौधन, शुभम गोविंद राव, शुभम पांडेय, प्रशांत त्रिपाठी, नवनीत सिंह, निखिल राय, हर्षित मालवीय, आदित्य राज तिवारी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिवभक्तों से बमबम हुई रामनगरी, सरयू घाट से लेकर मठ-मंदिरों तक हर-हर महादेव की गूंज

संवाददाता—अयोध्या। सरयू घाट से लेकर मठ–मंदिरों तक हर–हर महादेव की गूंज... शिवालयों में पूजन सामग्री से सजी थाली लेकर कतारबद्ध भक्त और श्रद्धालुओं से पटी अयोध्या। महाशिवरात्रि के पर्व पर बुधवार को रामनगरी में यह दृश्य आस्था का चरम प्रदर्शित कर रहा था। रामधुन में लीन रहने वाली अयोध्या पूरी तरह से शिवमय नजर आई। भोलेबाबा की भक्ति को उमड़े श्रद्धालुओं ने रामलला के दरबार में भी हाजिरी लगाई। सर्वार्थ सिद्धि व त्रिग्रही योग के दुर्लभसंयोग में रामनगरी ब्रह्म मुहूर्त से ही बम बम करने लगी थी। महाशिवरात्रि की पावन बेला में पौ फटने के पूर्व ही श्रद्धालु शिवमंदिरों की ओर उन्मुख हुए। अधिकतर ने भोले के मंदिर पर दस्तक देने से पूर्व पुण्य सलिला सरयू में स्नान किया। इसी के साथ ही आस्था का प्रवाह शिवमंदिरों की ओर निकल पड़ा। वाहन प्रतिबंधित होने के कारण आराध्य की चौखट तक पहुंचने में श्रद्धालुओं को तीन से चार किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ा। जैसे ही श्रद्धालु भोलेबाबा की चौखट पर पहुंचे और उनके कानों में हर–हर महादेव की गूंज पहुंची तो उनकी सारी थकान दूर होती नजर आई।

महाशिवरात्रि पर शिवमय हुई गोरक्षनगरी

संवाददाता—गोरखपुर। महाशिवरात्रि का पावन पर्व बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। ब्रह्म मुहूर्त से पहले ही श्रद्धालुओं का हुजूम विभिन्न शिवालयों में उमड़ पड़ा। महादेव झारखंडी मंदिर, बाबा मुक्तेश्वर नाथ मंदिर और अंधियारी बाग स्थित मानसरोवर मंदिर समेत शहर के प्रमुख शिवालयों में शिवभक्तों की लंबी कतारें भोर से ही लगनी शुरू हो गईं। जैसे ही मंदिरों के कपाट खुले, श्रद्धालु 'हर–हर महादेव' और 'बम–बम भोले' के जयकारों के साथ भगवान शिव के दर्शन व अभिषेक के लिए उमड़ पड़े।

महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व पर पूरा शहर शिवमय हो उठा और शिवभक्तों की आस्था का अनुपम दृश्य हर ओर देखने को मिला। शिवालयों में श्रद्धालुओं ने दूध, जल, गंगाजल, भांग, धतूरा, बेलपत्र और चंदन अर्पित कर भोलेनाथ की आराधना की। भक्तों में हर आयु वर्ग के लोग शामिल थे, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, लेकिन महिलाओं की उपस्थिति विशेष रूप से अधिक रही। शिवालयों में दर्शन के लिए श्रद्धालु घंटों कतारबद्ध खड़े रहे, लेकिन उनकी भक्ति में कोई कमी नहीं आई। जलाभिषेक के साथ ही चारों ओर भजन–कीर्तन की गूंज सुनाई दी, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा।

शिव मंदिरों के बाहर मेले जैसा दृश्य देखने को मिला। फूल–मालाओं, प्रसाद और पूजन सामग्रियों की दुकानें सजी रहीं, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के प्रिय पदार्थों को खरीदकर अभिषेक किया। चारों ओर धूप, अगरबत्ती और पुष्पों की सुगंध ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

गोरखनाथ मंदिर सहित आर्यनगर, दाउदपुर, गोलघर, बिलंदपुर, इंद्रानगर, पादरी बाजार, रुस्तमपुर, बिछिया और पुर्दिलपुर, रामजानकीनगर सहित विभिन्न मोहल्लों में स्थित शिवालयों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। भक्तों ने भगवान शिव के चरणों में शीश नवाकर सुख, समृद्धि और शांति की कामना की।

इन्फ्यूजन 2024–25 फ्रेशर पार्टी में सम्मानित किये गए विजेता

संवाददाता—गोरखपुर। केएमसी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में इन्फ्यूजन 2024–25 फ्रेशर पार्टी के साथ सप्ताह भर चले स्पोर्ट वीक के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसमें एमबीबीएस के छात्रों के तीन टीमों सहित मैनेजमेंट, डॉक्टर की टीम शामिल हुई।

प्रतियोगिताओं में शतरंज, कैरम, लूडो, बैडमिंटन, कबड्डी, वॉलीबॉल, क्रिकेट सहित सभी खेलों का आयोजन किया गया। पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता में बेस्ट बॉलर यश ठाकुर, बेस्ट बैट्समैन आदित्य ठाकुर को चुना गया। मेडिकल कॉलेज के डीन प्रोफेसर डॉक्टर संकल्प द्विवेदी, डॉ. अरुण श्रीवास्तव, डॉ. नीरज बेदी, डॉ. अजय गहलोत, डॉ. नंदलाल प्रजापति ने सभी विजेताओं को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। डीन ने आयोजन कर्ताओं की तारीफ करते हुए कहा कि इतने कम समय में बच्चों ने जो यह तैयारी की है, वह काबिले तारीफ है। खेलकूद प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से न केवल व्यक्तित्व विकास होता है बल्कि बच्चों के संपूर्ण विकास में इस तरह के कार्यक्रम बहुत सहयोगी होते हैं।

कार्यक्रम में गायन, नृत्य, कविता, फैशन शो, नाटक सहित विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को विशेष रूप से डॉक्टर निर्जेश और स्पोर्ट कमेटी और कल्चरल कमेटी की टीम ने योगदान दिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. देव चंद्रा, डॉ. जीतू मेघवाल, सोनू सिंह, विकास श्रीवास्तव, दिनेश कुशवाहा, डॉ. अभिनव मिश्रा, डॉ. पीयूष मिश्रा सहित चिकित्सा अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल संरक्षण के लिए निकाली जागरूकता रैली

संवाददाता—गोरखपुर। विश्वविद्यालय के एनएसएस द्वारा भौवापार में आयोजित सप्त दिवसीय शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने जल संरक्षण को लेकर जागरूकता रैली निकाली। स्लोगन व नारों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण का महत्व बताया गया। तीसरे दिन स्वयंसेवक मुंजेश्वरनाथ मंदिर में सफाई अभियान चलाएंगे। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्रीप्रकाश सिंह, डॉ. पवन कुमार, डॉ. प्रदीप राजोरिया एवं डॉ. गिरिजेश यादव आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी ने घर पहुंच दी श्रद्धांजलि, पूर्व प्रधान की मां का हो गया था निधन

संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को दोपहर बाद पीपीगंज क्षेत्र के बढ़या चौक गांव में पूर्व प्रधान मृत्युंजय सिंह के घर जाकर उनकी दिवंगत माता स्मृतिशेष कुसुम सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें ढांढस भी बंधाया। कुसुम सिंह का विगत दिनों निधन हो गया था। गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को भरोहिया के पितेश्वरनाथ मंदिर में दर्शन पूजन के बाद बढ़या चौक पहुंचे। उन्होंने पूर्व प्रधान मृत्युंजय सिंह के आवास पर जाकर उनकी दिवंगत माताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

हवाला नेटवर्क की शुरू हुई जांच, नौशाद पर खुफिया एजेंसी की नजर

संवाददाता—गोरखपुर। नेपाल सीमा से लेकर कोलकाता और बैंकाक तक फैले हवाला नेटवर्क की परतें धीरे–धीरे खुलने लगी हैं। गोरखपुर अब इस अवैध लेन–देन का नया हॉटस्पॉट बन चुका है, जहां से हवाला के रुपये अंतरराष्ट्रीय स्तर तक भेजे जा रहे हैं। खुफिया एजेंसियों ने अब बैंक रोड स्थित नौशाद के नेटवर्क की गहराई से जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि नौशाद की कंपनी का असली संचालक कोई और है, और वह महज एक मोहरा हो सकता है। शनिवार को हावड़ा में हेमंत पांडेय के पकड़े जाने के बाद अब खुफिया एजेंसी गोरखपुर में रहने वाले नौशाद के हवाला नेटवर्क और उसके बैंकिंग लेन–देन की गहन जांच कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस अंतरराष्ट्रीय रैकेट में कई प्रभावशाली लोग भी शामिल हैं। इनके नेटवर्क में नेपाल, थाईलैंड और कोलकाता के एजेंट जुड़े हुए हैं।अभी तक की जांच में सामने आया है कि हवाला के रुपये गोरखपुर से कोलकाता के जरिए बैंकाक भेजे जाते हैं। नेपाल सीमा पर यह नेटवर्क पहले से सक्रिय था।

शहर को इस धंधे का मुख्य केंद्र इसलिए बनाया गया है कि बड़ी संख्या में गोरखपुर और आसपास के जिलों के लोग नेपाल के अलावा थाईलैंड, म्यांमार और लाओस के गोल्डन ट्राइंगल में व्यापार करते हैं। इन्हीं संपर्कों के जरिए हवाला का धंधा चलाया जा रहा है।

हाल ही में हावड़ा स्टेशन पर 2.6 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा के साथ गिरफ्तार किए गए बांसगांव के देवडार खुर्द गांव में रहने वाले हेमंत पांडेय से पूछताछ के बाद यह नेटवर्क फिर चर्चा में आया। जांच में पता चला कि वह नौशाद के संपर्क में थे और उसे कोलकाता में एक डील सप्लाई करनी थी। इससे पहले 21 मई 2022 को कोलकाता एयरपोर्ट पर गोरखनाथ के अम्बरीश दूबे को 1.53 करोड़ की विदेशी मुद्रा के साथ पकड़ा गया था। उसने भी हवाला नेटवर्क से जुड़े होने की बात कबूली थी। इसके बावजूद नेटवर्क के मास्टरमाइंड तक एजेंसियां नहीं पहुंच सकी।

युवक की मौत, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया

संवाददाता—गोरखपुर। झंगहा क्षेत्र के ग्राम पंचायत दुबौली चौहान टोला में मंगलवार की रात 8.30 बजे गोविंद चौहान उर्फ सूरज (30) की फंदे से लटकती लाश मिली। परिजनों ने हत्या कर शव लटकाए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने खुदकुशी बताते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुबौली चौहान गांव निवासी गोविंद का शव रात में परिजनों ने घर के पास लटकते देखा। परिजन उसे लेकर पास के एक अस्पताल में गए, जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सीओ अनुराग सिंह, इंस्पेक्टर जयंत कुमार सिंह के साथ मौके पर पहुंच गए। उस समय शव आ गया था और उसे पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस का कहना है कि युवक ने घर पर ही फंदा लगाकर खुदकुशी की है। भाई उमाशंकर ने चुनावी रंजिश में हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। सीओ अनुराग सिंह ने बताया कि मौत की वजह जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम भेजा गया है। रिपोर्ट व जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुरातन छात्रावासी सम्मेलन 9 मार्च को, भव्य आयोजन की तैयारी

संवाददाता—गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संतकबीर छात्रावास में बुधवार को पूर्व छात्रावासियों की बैठक संपन्न हुई। इसमें हीरक जयंती वर्ष में पुरातन छात्रावासी सम्मेलन से संबंधित विभिन्न मुद्दों को लेकर विचार–विमर्श हुआ।

निर्णय हुआ कि डीडीयू में छात्रावासियों का प्रथम पूर्ण सम्मेलन 9 मार्च को संवाद भवन में होगा। उसके बाद दो सत्र पूर्व छात्रावासियों के संस्मरण व होली मिलन समारोह कबीर छात्रावास में होगा। आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की गई। पूर्व छात्रावासियों ने संत कबीर छात्रावास का भ्रमण कर उसके पुनर्निर्माण की प्रगति की समीक्षा की और इस पर संतोष जताया। सम्मेलन के संयोजक प्रो. मनोज तिवारी ने बताया कि इसमें देश–विदेश से बहुत से सीनियर आईएएस, आईपीएस, जज, कुलपति, पूर्व कुलपति व अन्य विशिष्ट पुरातन छात्रावासी हिस्सा लेंगे।

बैठक में डॉ श्याम नारायण सिंह, डॉ सच्चिदानन्द चौबे, डॉ सर्वेश चन्द्र शुक्ल, डॉ शशिकांत मणि त्रिपाठी, रवि प्रताप सिंह, डॉ मैथिली रमण प्रताप सिंह, डॉ महेन्द्र राय, प्रो अमृतांशु शुक्ल, करुणेश मिश्र, डॉ दुर्गेश पाल, डॉ अनुपम सिंह, डॉ विनोद सिंह, उमेश चन्द, तेजेन्द्र मोहन सिंह मौजूद रहे।

बीआरडी के चिकित्सकों ने गोद लिए दस टीबी मरीज

संवाददाता—गोरखपुर। वरिष्ठ संवाददाता जिले में 24 मार्च तक संचालित 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान के दौरान 24 फरवरी तक 3737 नये टीबी मरीज खोजे जा चुके हैं। इसी कड़ी में बीआरडी मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने मंगलवार को दस टीबी मरीजों को गोद लिया। उन्हें पोषण पोटली दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष कुमार दूबे ने बताया कि जिले में 1476 निक्षय मित्र 5196 टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके स्वस्थ होने में मददगार बन रहे हैं। जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ गणेश यादव ने बताया कि बीआरडी मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉ. हरिशचंद्र, डॉ. नेहा प्रियंका, डॉ. श्रद्धा और डॉ. आरुषि ने दस मरीजों को गोद लिया है। एडीशन कार्यक्रम में टीबी एंड चेस्ट विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अश्विनी मिश्रा, चिकित्सा अधिकारी डॉ शमीम अंसारी, एसटीएस अमित नारायण मिश्र, महेश चंद्र साहनी, एसटीएलएस पिंटू सिंह, टीबी एचवी रंजीत सिंह यादव, एसए जितेंद्र चंद्र और एलटी विश्वजीत शर्मा का विशेष योगदान रहा।

धमकाने, सताने और संपत्ति कब्जा करने वालों पर रखें नजर –सीएम योगी

संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विश्व के सबसे बड़े आयोजन प्रयागराज महाकुंभ के आखिरी स्नान पर्व (महाशिव रात्रि) पर आज तड़के से ही ऑनलाइन निगरानी करते रहे। साथ ही देवाधिदेव महादेव की आराधना के इस विशेष पर्व पर आनुष्ठानिक व्यस्तता के बावजूद उन्होंने बुधवार सुबह जनता दर्शन में आए लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जाए। आमजन को सताने, धमकाने और संपत्ति कब्जा करने वाले बदमाशों को कानूनी सबक सिखाया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी।

सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन करने आए बच्चों पर खूब प्यार–दुलार बरसाया। उन्होंने इन बच्चों से खूब बातें की, हंसी–ठिठोली के बीच उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और फिर चॉकलेट गिफ्ट करते हुए उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। इसके बाद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करने निकले।

भ्रमण के दौरान सीएम योगी की नजर परिजनों के साथ आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने सबको अपने पास बुला लिया। सभी बच्चों से उनका नाम पूछा, कहां से आए हैं और किस क्लास में पढ़ते हैं, इसकी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बच्चों से बेहद आत्मीय तरीके से संवाद करने के साथ उनसे खूब हंसी ठिठोली भी की। सबको चॉकलेट गिफ्ट देकर और सबके माथे पर हाथ फेरकर प्यार–दुलार, आशीर्वाद दिया।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक स्व0 दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com